RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-11 | अंक-14 | जयपुर, मंगलवार, 14 जुलाई 2026 | मूल्य-4 रूपये

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

सुप्रीम कोर्ट का यूपी-केंद्र सरकार और ट्रस्ट को नोटिस

अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। इनके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या के राम मंदिर का प्रबंधन करने वाले श्रीराम जन्मभमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी से मामले की जांच से जुड़ी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। इस मामले पर अब अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई की। केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पीठ के समक्ष पेश हुए। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि स्टेटस रिपोर्ट एक सीलबंद लिफाफे में देने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने

राम मंदिर ट्रस्ट को नोटिस टालने की अपील की, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया।

सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मामले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज और अन्य रिकॉर्ड को भी संरक्षित करने की जरूरत थी। साथ ही याचिकाकर्ताओं ने मांग की कि उन्हें भी जांच की स्टेटस रिपोर्ट मुहैया कराई जाए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की इस मांग को खारिज कर दिया और कहा कि 'हम इस बारे में बाद में देखेंगे क्योंकि अभी जांच जारी है।'

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने रिट याचिका दायर की है। इनके अलावा अजय कुमार राय और अन्य की ओर से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और अन्य के खिलाफ दायर एक क्रिमिनल रिट याचिका और आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह की एक अलग याचिका शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत सुनवाई से कर दिया था इनकार

इससे पहले, जब जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और शील नागू की पीठ के सामने गोस्वामी की याचिका का जिक्र किया गया था, तो सुप्रीम कोर्ट ने उस पर तुरंत सुनवाई करने से इंकार कर दिया था। याचिकाकर्ता ने मामले को तुरंत लिस्ट करने पर जोर दिया था और कहा था कि लगाए गए आरोप बहुत गंभीर हैं। मामले की तात्कालिकता पर सवाल उठाते हुए न्यायमूर्ति सुंदरेश की अध्यक्षता वाली पीठ ने निर्देश दिया था कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद शीर्ष अदालत के फिर से खुलने पर इस मामले को सूचीबद्ध किया जाए।

गोस्वामी की याचिका में राम जन्मभूमि मंदिर में किए गए दान से संबंधित अभिलेखों और साक्ष्यों के संरक्षण और मंदिर में चढ़ावे के प्रबंधन में अधिक पारदर्शिता लाने के निर्देश देने की मांग की है।

राममंदिर ट्रस्ट ने पहली बार CEO की भर्ती निकाली

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट ने सोमवार को 6 साल में पहली बार CEO (चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर) की भर्ती निकाली है। आवेदक का हिंदू होना और उम्र 50 से 70 साल के बीच होनी चाहिए। शैक्षिक योग्यता ग्रेजुएशन रखी गई है। CEO जनरल सेक्रेटरी को रिपोर्ट करेंगे। आवेदन की आखिरी तारीख 18 जुलाई, 2026 की शाम 4 बजे तक है।

काशी, मथुरा और संभल विवाद...

हिंदू-मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकराया

वाराणसी/मथुरा/संभल

यूपी के तीन मंदिर-मस्जिद विवादों को लेकर हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ये विवाद वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद से जुड़े हैं। बार एंड बेंच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए 'समाधान समारोह 2026' पहल के तहत लेटर भेजकर मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था और दोनों पक्षों से सहमति मांगी थी। किसी भी पक्ष ने इसके लिए सहमति नहीं दी। कोर्ट ने यह लेटर कब भेजा था, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। दोनों पक्षों ने कहा है कि वे अदालत में ही केस लड़कर फैसला चाहते हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट परिसर में 21 से 23 अगस्त तक 'समाधान समारोह' के तहत विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी।

वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के बगल में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर विवाद है। हिंदू पक्ष का दावा है कि 17वीं शताब्दी में मुगल शासक औरंगजेब ने यहां मौजूद प्राचीन विश्वेश्वर (काशी विश्वनाथ) मंदिर को आंशिक रूप से ध्वस्त कर मस्जिद बनवाई थी।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान के पास स्थित शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर विवाद है। हिंदू पक्ष का दावा है कि यह मस्जिद भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर बने मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी।

संभल की शाही जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष का दावा है कि यह प्राचीन हरिहर (हरि) मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पोक्सो के दुरुपयोग पर चिंता जताई

कहा- लड़का-लड़की को भागने से सरकार कैसे रोकेगी, यह नई चीजें आजमाने की उम्र

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने किशोर-किशोरियों के बीच सहमति से बने संबंधों में पॉक्सो कानून के कथित दुरुपयोग पर चिंता जताई है। अदालत ने सोमवार को कहा कि जब किसी लड़के और लड़की के बीच संबंध हो और वे साथ चले जाएं, तो हर मामले को स्वतः पॉक्सो का केस नहीं माना जा सकता।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने सुनवाई के दौरान पूछा- सरकार किसी लड़के और लड़की को साथ भागने से कैसे रोक सकती है? 15 से 18 साल की उम्र बेहद संवेदनशील और नई चीजें आजमाने की उम्र होती है। यह प्रयोग और भावनात्मक समझ विकसित होने का भी दौर होता है।

पीठ ने कहा कि कई मामलों में जब किशोरियां अपनी मर्जी से अपने साथी के साथ चली जाती हैं, तो परिवार अपनी इज्जत बचाने के लिए लड़के के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करा देता है। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में आखिरकार आरोपियों को बरी करना पड़ता है।

कई किशोर जेल पहुंच जाते हैं: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट यह टिप्पणी किशोरों के निजता के अधिकार से जुड़े स्वतः संज्ञान (सुओ मोटू) मामले की सुनवाई के दौरान कर रहा था। यह मामला 2023 में कलकत्ता हाईकोर्ट की उस विवादित टिप्पणी के बाद शुरू हुआ था, जिसमें किशोरियों को रिश्तों में पड़ने के बजाय अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखने की सलाह दी गई थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले को रद्द कर दिया था।

सीनियर एडवोकेट माधवी दीवान ने अदालत को बताया कि मूल मामला एक नाबालिग लड़की और 25 वर्षीय युवक के साथ भाग जाने से जुड़ा था।

बंगाल की खाड़ी में 9 मछुआरों के शव मिले

कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना के पास बंगाल की खाड़ी में डूबे एक ट्रॉलर से आठ दिन बाद नौ मछुआरों के शव बरामद किए गए हैं। छह मछुआरे अब भी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है।

'जय मां काली' नाम का ट्रॉलर 2 जुलाई को पूर्व मेदिनीपुर जिले के शंकरपुर मछली बंदरगाह से 15 मछुआरों को लेकर समुद्र में मछली पकड़ने निकला था। 6 जुलाई के बाद ट्रॉलर से संपर्क टूट गया था।

अधिकारी ने बताया कि समुद्र में कई दिन रहने के कारण शव बुरी तरह सड़ चुके हैं और उनकी पहचान करना मुश्किल है। अब उनकी पहचान डीएनए (DNA) जांच के बाद ही हो सकेगी।

राजस्थान हाई कोर्ट की जयपुर व जोधपुर पीठ को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर/जोधपुर

राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर और जोधपुर पीठ को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद न्यायिक एवं प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मच गया। धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने दोनों परिसरों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, जिसके बाद न्यायालय की नियमित कार्यवाही शुरू कर दी गई।

उच्च न्यायालय प्रशासन को रात 12 बजकर 19 मिनट पर प्राप्त ई-मेल में दावा किया गया कि

न्यायालय परिसर में छह जिलेटिन बम लगाए गए हैं। ई-मेल में लिखा कि आमजन को नुकसान पहुंचाना उद्देश्य नहीं है, लेकिन इमारत को क्षति पहुंचेगी। सोमवार सुबह ई-मेल देखने के बाद प्रशासन ने तत्काल सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड ने न्यायालय परिसर की सघन तलाशी ली। जांच में किसी प्रकार का विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने के बाद सुबह करीब साढ़े नौ बजे परिसर को खोल दिया गया। समय रहते तलाशी पूरी होने से कोर्ट की कार्यवाही बाधित नहीं हुई। पुलिस के अनुसार धमकी किसी अज्ञात ई-मेल आईडी से भेजी गई है।

तमिलनाडु के मदुरै में दो बसों की टक्कर, 5 की मौत, 42 घायल

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै जिले में सोमवार सुबह दो बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 42 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक, चेन्नई से मार्थांडम जा रही प्राइवेट बस कोट्टामपट्टी के वंदिनगर के पास फोरलेन हाईवे पर अचानक बेकाबू हो गई। बस डिवाइडर पार कर सामने वाली लेन में पहुंच गई और मदुरै से तिरुचिरापल्ली जा रही सरकारी बस से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि प्राइवेट बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि सरकारी बस पलट गई।

इंटरनेशनल फिजिक्स ओलम्पियाड में भारत को गोल्ड मैडल

कोटा कोचिंग के स्टूडेंट्स ने देश को दिलाए 5 मैडल

कोटा

कोलंबिया के बुकारामंगा में 4 से 12 जुलाई तक आयोजित 56वें इंटरनेशनल फिजिक्स ओलंपियाड-2026 में भारत ने इतिहास रच दिया। इस प्रतियोगिता के फाइनल में भारतीय टीम के सभी पांचों स्टूडेंट्स ने गोल्ड मैडल जीते।

इस प्रदर्शन की बदौलत दुनिया के 87 देशों के बीच भारत पहले पायदान पर रहा। इन होनहारों में कनिष्क जैन, रिद्धेश बेंडाले, ऋषित गर्ग और स्वरित जोशी शामिल हैं। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए

छात्रों को कठिन चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। पहले चरण में 'इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स' की ओर से आयोजित एनएसईपी परीक्षा में कोटा के 138 छात्र चुने गए। इसके बाद 'होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन' द्वारा आयोजित दूसरे चरण में 20 छात्रों ने अगले दौर में जगह बनाई। तीसरे चरण के ओरिएंटेशन कम सेलेक्शन कैंप के बाद भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 5 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम का चयन किया गया। इसमें 4 छात्र कोटा कोचिंग के थे। आखिरी चरण में कोलंबिया के बुकारामांगा में आयोजित फाइनल मुकाबले में 87 देशों के 381 दिग्गजों के बीच भारतीय टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर तिरंगा लहराया।

बालोतरा में डंपर से टकराई स्कॉर्पियो पांच युवकों की मौत, तीन घायल

बालोतरा। बाड़मेर-जोधपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पचपदरा थाना क्षेत्र में रविवार देरात हुए सड़क हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आगे चल रहे डंपर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए व उसमें सवार लोग वाहन के भीतर ही फंस गए।

पुलिस अनुसार हादसा भाडियावास गांव के पास हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर राजकीय नाहटा अस्पताल, बालोतरा पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने रेवांताराम (26), स्वरूपाराम (27) और भरत (25) को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल किशन, भावेश, बाबू, मुकेश और हेमाराम को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया, जहां उपचार के दौरान किशन (27) और भावेश की मृत्यु हो गई। हेड कांस्टेबल डूंगाराम खोथ के अनुसार, सभी युवक जोधपुर में भोमियाजी के दर्शन कर अपने गांव लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

भारत ने लार्ड्स में ऐतिहासिक महिला क्रिकेट टेस्ट में इंग्लैंड को हराया

लंदन

ऑफ स्पिनर स्नेह राणा के चार विकेट की बदौलत भारत ने सोमवार को यहां प्रतिष्ठित लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए पहले महिला क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे और अंतिम दिन इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया।

लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड के 142 साल के इतिहास में पहली बार खेला गया महिला टेस्ट भारतीय टीम ने जीत लिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया। भारतीय टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग

तीनों विभागों में मेजबान टीम पर भारी पड़ी। रनों के लिहाज से यह भारतीय महिला टीम की दूसरी सबसे बड़ी टेस्ट जीत रही। इससे पहले टीम ने 2023 में इंग्लैंड को ही 347 रन से हराया था। भारत को आज तक इंग्लैंड में महिला टेस्ट में हार नहीं मिली है। टीम ने यहां अब तक 11 टेस्ट खेले हैं, जिनमें 3 जीते हैं, जबकि 8 मुकाबले ड्रॉ रहे।

भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड 170 पर सिमट गई। भारत को 115 रन की बढ़त मिली। भारत ने दूसरी पारी 341 रन पर घोषित की और 457 रन का टारगेट दिया। इंग्लैंड 186 पर ऑलआउट हो गई।

1884 में इसी मैदान का पहला टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की पुरुष टीमों के बीच खेला गया। यहां पहला महिला टेस्ट मैच होने में 142 साल लग गए। 10 जुलाई 2026 को भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों ने पहला टेस्ट खेला।

यस्तिका भाटिया लॉर्ड्स में शतक लगाने वाली पहली महिला टेस्ट क्रिकेटर बनीं। क्रांति इस ग्राउंड पर 5 विकेट लेने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने दोनों पारियों में फिफ्टी लगाई। उन्होंने पहली पारी में 83 और दूसरी पारी में 70 रन बनाए।

बदरीनाथ चढ़ावा मामले में बीकेटीसी कर्मचारी प्रमोद गिरफ्तार

देहरादून। बदरीनाथ धाम के चढ़ावा में कथित हेराफेरी मामले में गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के कर्मचारी प्रमोद नौटियाल को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित से बदरीनाथ लाकर गहन पूछताछ की। इसके बाद उसे गोपेश्वर जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपित को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जिला कारागार, पुरसाड़ी भेज दिया। बता दें आठ जुलाई को मंदिर समिति प्रभारी मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवान की शिकायत पर बदरीनाथ कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 306 और 316(5) के तहत मामला दर्ज किया था।

शिकायत में आरोप लगाया गया था कि दो जुलाई को थाली भेंट की गणना के दौरान मंदिर समिति के कर्मचारी प्रमोद नौटियाल ने धनराशि और अन्य भेंट सामग्री को अवैध रूप से अपने कब्जे में लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए चमोली पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार के निर्देशन में एसआईटी का गठन किया गया।

कानून-व्यवस्था को लेकर एक्शन मोड में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

सीएम बोले- अपराधियों पर ऐसी कार्रवाई हो उनकी रूह-कांप जाए

आईजी-एसपी को दो टूक, क्षेत्र में अपराध हुआ तो अधिकारी होंगे जिम्मेदार

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राज्य में कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ ऐसी प्रभावी और निर्णायक कार्रवाई होनी चाहिए जिससे बदमाशों की रूह कांप उठे। अब क्षेत्र में होने वाले अपराधों की जिम्मेदारी सीधे संबंधित आईजी और एसपी की होगी। उन्होंने गृह विभाग एवं पुलिस अधिकारियों को दो टूक कहा कि प्रदेश में अपराध किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बैठक में कई जिलों के पुलिस अधीक्षकों को फटकार लगाते हुए कहा कि संगठित अपराध, साइबर क्राइम और नशा तस्करी के मामलों में सिर्फ गिरफ्तारी से काम नहीं चलेगा बल्कि इन अपराधों का पूरा नेटवर्क ध्वस्त होना चाहिए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गोगुंदा में चरागाह भूमि पर अतिक्रमण के मामले में एक वरिष्ठ अधिकारी को नोटिस जारी किया गया। उन्होंने अलवर, श्रीगंगानगर और भरतपुर में हाल में हुई आपराधिक घटनाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों और उनके आकाओं पर ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए कि आने वाले समय में कोई भी अपराध करने से पहले सौ बार सोचे। उन्होंने कहा कि लगातार ठोस परिणाम देने के बावजूद एक भी अप्रिय घटना पुलिस और प्रदेश की छवि को धूमिल कर सकती है। उन्होंने बताया कि 2023 की तुलना में संगठित अपराध और फायरिंग की घटनाओं में कमी आई है लेकिन इस गिरावट की रफ्तार और बढ़नी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध हथियार संगठित अपराध की रीढ़ है और संगठित अपराध को रोकने के लिए इसे तोड़ना बहुत जरूरी है। जिन जिलों में आर्म्स एक्ट के मामलों में बढ़ोतरी हुई है, वहां अवैध हथियारों की सप्लाई चेन तोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। हथियार बरामद होने की स्थिति में सिर्फ उस अपराधी तक ही कार्रवाई सीमित न रहे बल्कि उस पूरे चेन सिस्टम का पता लगाकर सरगना तक पहुंच कर इस सिस्टम को ध्वस्त करने का लक्ष्य रखना होगा।

अपराधियों के सोशल एंड फाइनेंशियल नेटवर्क का करें खात्मा

उन्होंने अपराधियों के सोशल नेटवर्क के साथ-साथ फाइनेंशियल नेटवर्क का खात्मा करने पर जोर देते हुए कहा कि सोशल मीडिया की निगरानी करते हुए ऐसे युवाओं पर विशेष नजर रखें जो अपराधियों को फॉलो करते हैं। साथ ही, भू माफिया गतिविधि और हवाला लेन-देन पर अंकुश लगाकर अपराधियों की आय के स्रोतों को भी बंद करना होगा। साथ ही, ड्रग तस्करों की अवैध संपत्तियों को जब्त, कुर्क एवं ध्वस्तीकरण करने की कार्रवाई में तेजी लाई जाए।

मुख्यमंत्री ने साइबर पेट्रोलिंग बढ़ाने और साइबर सेल में इसके लिए विशेष कार्मिक तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी के मामलों में त्वरित कार्रवाई कर आमजन का विश्वास बहाल करना पुलिस की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि साइबर ठगी का एक भी नेटवर्क राजस्थान की धरती पर बचने ना पाए।

दिल्ली दंगा: आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या में ताहिर हुसैन समेत पांच दोषी

नई दिल्ली। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत 5 लोगों को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने इस मामले के छह आरोपितों को बरी करने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने मामले में ताहिर हुसैन के अलावा नाजिम, कासिम, अनस और जावेद को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने हसीन ऊर्फ मुल्लाजी ऊर्फ सलमान, समीर खान, फिरोज, जावेद, गुल्फाम, शोएब आलम ऊर्फ बॉबी व मुंतजिम ऊर्फ मुसा को मामले से बरी करने का आदेश दिया। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 3 जून, 2020 को इस मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। क्राइम ब्रांच की चार्जशीट में कहा कि 24 और 25 फरवरी 2020 को ताहिर हुसैन ने अपने घर व चांदबाग पुलिया के पास मस्जिद से भीड़ का नेतृत्व किया व सांप्रदायिक रुप दिया।

चार्जशीट में कहा था कि अंकित शर्मा हत्या के लिए साजिश रची गई थी। अंकित शर्मा को ताहिर हुसैन के नेतृत्व में भीड़ ने खास रुप से टारगेट किया। खजूरी खास इलाके में ताहिर हुसैन के घर के बाहर वारदात हुई। शर्मा की हत्या के बाद भीड़ ने एक नाले में शव फेंक दिया। पुलिस के मुताबिक कुछ लोग शव नाले में फेंक रहे थे। अंकित शर्मा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों ने पाया था कि तेज धार वाले हथियार से 51 वार के निशान हैं। ताहिर हुसैन ने ही चांदबाग इलाके में भीड़ को उकसाया था। चार्जशीट में ताहिर हुसैन को मास्टरमाइंड बताया गया है।

सीएम योगी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में किया पौधरोपण, 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके बाद वे गोरखपुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इस मौके पर सीएम राज्य में महा वृक्षारोपण 2026 अभियान की शुरुआत करेंगे, जिसके तहत पूरे यूपी में 35 करोड़ पौधे लगाने का बड़ा लक्ष्य रखा गया है। गोरखपुर में एक पेड़ मां के नाम पहल के तहत साल 2026 के इस अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के लॉन्च के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने पर्यावरण और धरती के महत्व को समझाया। सीएम योगी ने कहा कि यह धरती मां के प्रति आभार जताने का एक बहुत बड़ा और शानदार प्रयास है। धरती मां हम सभी को एक अच्छा और अनुकूल पर्यावरण देती हैं और आगे बढ़ने का मौके देती है। वह हमें जिंदा रखने के लिए अनाज और फल पैदा करती हैं। वह हमारे पीने के लिए पानी देती हैं और हमारी सभी जरूरतों को पूरा करती हैं।

ताज होटल में बम होने की फर्जी सूचना से मचा हड़कंप

मुंबई (एजेंसी)। दुनियाभर में मशहूर मुंबई की प्रतिष्ठित ताज होटल में बम रखे जाने की एक फर्जी सूचना ने रविवार तड़के पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर ला दिया। एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर दावा किया कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम ने ताज होटल में बम लगवाया है। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए होटल में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। कई घंटों की जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिलने पर पुलिस ने कॉल को फर्जी करार दिया। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया, कि देर रात करीब 12:13 बजे नवी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में यह फोन कॉल प्राप्त हुआ था। कॉल करने वाले ने दावा किया कि दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित ताज होटल में बम लगाया गया है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए कोलाबा पुलिस, मुंबई क्राइम ब्रांच और बम निरोधक दस्ते की टीमें तुरंत होटल पहुंचीं और सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा करते हुए होटल परिसर के विभिन्न हिस्सों की गहन तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान होटल के कमरों, सार्वजनिक क्षेत्रों और अन्य संवेदनशील स्थानों की सावधानीपूर्वक जांच की गई, लेकिन कहीं भी कोई विस्फोटक सामग्री या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने इसे अफवाह फैलाने के उद्देश्य से किया गया फर्जी कॉल बताया। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने फोन कॉल का स्रोत नवी मुंबई के तुर्भे क्षेत्र में चिन्हित किया है। पुलिस का कहना है कि कॉल करने वाले की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम रवाना की गई है। फिलहाल किसी आरोपी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हो सकी। उल्लेखनीय है कि टाटा समूह के स्वामित्व वाला ताज महल पैलेस होटल देश के सबसे प्रतिष्ठित होटलों में गिना जाता है। वर्ष 2008 के 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान यह होटल आतंकवादियों का प्रमुख निशाना बना था, जिसमें कई लोगों की जान गई थी। इसी कारण होटल की सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ रखी जाती है और किसी भी प्रकार की धमकी या संदिग्ध सूचना मिलने पर सुरक्षा एजेंसियां तत्काल उच्च स्तर की सतर्कता बरतती हैं।

सुप्रीम कोर्ट की महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी, चार साल मे चार्जशीट नही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक आपराधिक मामले में महाराष्ट्र सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। न्यायालय ने कहा, घटना के चार वर्ष बीत जाने के बावजूद पुलिस अब तक चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकी है। जो आपराधिक न्याय व्यवस्था की गंभीर खामी को दर्शाता है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है,जांच में इतनी असामान्य देरी क्यों हुई। कोन इसके लिए जिम्मेदार है, अधिकारियों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई है। न्यायालय ने टिप्पणी की, समयबद्ध जांच और शीघ्र चार्जशीट न्याय व्यवस्था की मूल आवश्यकता है। अनावश्यक विलंब से पीड़ित और आरोपी दोनों के अधिकार प्रभावित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को मामले की प्रगति संबंधी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए जांच में तेजी लाने और लंबित प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जज इतने नाराज थे कि उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर स्थिति जल्द ही नहीं बदली तो वह सरकार को बेनकाब कर देंगे।

16 से शुरू होगी जगन्नाथ रथ यात्रा, आयोजन को सफल बनाने तैयारियों में जुटा प्रशासन

पटना(एजेंसी)। 16 जुलाई से शुरू हो रही जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार, पुलिस प्रशासन, सेवायतों और लोगों के प्रयासों से इस भव्य आयोजन को सफल बनाने की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। रथ यात्रा में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा को तीन विशाल लकड़ी के रथों में विराजमान कर श्रद्धालु गुंडिचा मंदिर तक खींचकर ले जाएंगे। जहां भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुक्षद्रा एक हफ्ते तक रहते हैं। फिर उसके बाद जगन्नाथ मंदिर लौट आते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जगन्नाथ मंदिर, पुरी के सेवायत दैतापति भबानी दास महापात्रा ने कहा कि रथ यात्रा के सफल आयोजन के लिए सभी पक्ष एकजुट होकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दैतापति परिवार, मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार और पुरी के सभी लोग महाप्रभु की कृपा से इस आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं। भगवान जगन्नाथ स्वयं इस रथ यात्रा का मार्गदर्शन और आशीर्वाद देते हैं।

उन्होंने सीएम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएम स्वयं तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। साथ ही पुलिस प्रशासन की सराहना करते हुए बताया कि यात्रा की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर अब तक 20 से 30 बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। महापात्रा ने विश्वास जताया कि इस वर्ष की रथ यात्रा ऐतिहासिक होगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन भक्तों, सेवायतों, मंदिर प्रशासन, ओडिशा सरकार और पुरी के नागरिकों के सामूहिक सहयोग और मिले-जुले प्रयासों को दिखाती है। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ मंदिर में इस दिव्य और भव्य उत्सव की सभी तैयारियां पूरे जोश और उत्साह के साथ जारी हैं।

पंजाब कांग्रेस में बगावत: बागियों को नहीं मना पाए बघेल

12 विधायकों और तीन सांसदों के साथ चन्नी ने दिखाई ताकत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में बगावत के सुर और तेज हो गए हैं। आलाकमान की कोशिशें नाकाम हो गई हैं। मोरिंडा के बाद पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी गुट के नाराज नेताओं ने चंडीगढ़ में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल के सामने शक्ति प्रदर्शन किया। बघेल इन नेताओं को मनाने विधायक राणा गुरजीत सिंह के आवास पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें नाराज नेताओं की ताकत का सामना करना पड़ा। बैठक के बाद भी बगावत के सुर शांत नहीं हुए। बघेल ने नेताओं को भरोसा दिया कि उनकी भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराया जाएगा। ऐसे में पंजाब कांग्रेस की इस अंदरूनी खींचतान को खत्म करने की जिम्मेदारी अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पाले में पहुंच गई है। नाराज नेताओं ने एक सुर में कहा कि उन्हें मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग का नेतृत्व कतई स्वीकार नहीं है।

नेताओं ने कहा कि उन्हें पंजाब में कॉम्प्रोमाइज्ड (समझौतावादी) नेता नहीं चाहिए। विधानसभा चुनाव जीतना है तो प्रदेश संगठन का नेतृत्व ऐसे नेता के हाथ में होना चाहिए, जो सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ सके। नेताओं ने बघेल से साफ कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब में बड़ा और सर्वस्वीकार्य चेहरा हैं।

कई बार फैसले वापस लेने पड़ते हैं: रंधावा

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि उनकी प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, लेकिन प्रदेश नेतृत्व राज्य सरकार के खिलाफ अपेक्षित आक्रामकता नहीं दिखा रहा। उन्होंने कहा कि सभी नेताओं ने अपनी बात प्रभारी भूपेश बघेल के सामने रख दी है और उनसे आग्रह किया है कि वह नेताओं की भावनाओं से हाईकमान को अवगत कराएं। कई बार परिस्थितियों के अनुसार हाईकमान को अपने फैसले वापस लेने पड़ते हैं। यदि पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनानी है तो इस फैसले पर भी पुनर्विचार करना होगा। हम कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकते।

तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे: चन्नी

पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि प्रभारी भूपेश बघेल के साथ बातचीत हो गई है। सभी नेताओं ने अपने मन की बात उनके सामने रख दी है। अब फैसला हाईकमान को करना है। उन्होंने कहा कि अब तेल देखेंगे, तेल की धार देखेंगे, यानी आगे पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया का इंतजार करेंगे।

मैं कॉम्प्रोमाइज्ड नहीं: वड़िंग

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने उनका नाम नहीं लिया। वह और रंधावा पिछले साढ़े चार वर्षों से साथ काम कर रहे हैं। यदि दोनों में से कोई कॉम्प्रोमाइज्ड होता तो इतनी लंबी राजनीतिक साझेदारी संभव नहीं होती। उन्होंने कहा कि वह भी मानते हैं कि पंजाब में कांग्रेस कॉम्प्रोमाइज्ड नेताओं के साथ आगे नहीं बढ़ सकती।

ओमान तट पर व्यावसायिक जहाज पर हुए ईरानी हमले का भारत ने किया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए कथित ईरानी हमले का भारत ने कड़ा विरोध किया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि जहाज पर मौजूद 11 भारतीय नागरिकों में से 10 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नाविक लापता है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक ओमान स्थित भारतीय दूतावास पूरे घटनाक्रम पर नजर रख रहा है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। सरकार ने कहा कि लापता भारतीय नागरिक का पता लगाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। बयान में कहा गया है कि हम ओमान के तट के पास व्यावसायिक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं। हमारा दूतावास ओमानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है और बचाव अभियान पर करीबी नजर रखे हुए है। भारत ने बचाव अभियान में सहयोग के लिए ओमान सरकार और स्थानीय अधिकारियों का आभार माना है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारतीय मिशन प्रभावित नाविकों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहा है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब होर्मुज और ओमान के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है। बतादें हाल के दिनों में व्यापारिक जहाजों पर हमलों की घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना वैश्विक समुदाय की साझा जिम्मेदारी है और निर्दोष नागरिकों और व्यापारिक जहाजों पर हमले किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जा सकते हैं।

बीजेपी नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर सरकार को गिराने की कोशिश कर रही: उमर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस में फूट डालकर उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि उनकी पार्टी के विधायकों को पाला बदलने के लिए 20 से 30 करोड़ रुपए तक की पेशकश की गई है।

श्रीनगर के हजरतबल में अपनी दादी बेगम अकबर जोहरा की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा उनके विधायकों को खरीदने के लिए धनबल का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पैसे और मंत्री पद का लालच काम नहीं आया, तो भाजपा बंद दरवाजों के पीछे विधायकों से कह रही है कि वे उनके साथ आ जाएं और वे उन्हें राज्य का दर्जा दिला देंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक विशिष्ट घटना का जिक्र करते हुए दावा किया कि जम्मू क्षेत्र के नेशनल कांफ्रेंस के एक विधायक ने खुद उन्हें इसकी जानकारी दी। विधायक के अनुसार, भाजपा के एक पदाधिकारी और उच्चतम न्यायालय के एक वकील ने उनसे समर्थन मांगा और इसके बदले में 20 से 30 करोड़ रुपये, एक मंत्री पद और राज्य का दर्जा देने का वादा किया।

अपनी पार्टी के सहयोगियों और विधायकों पर पूरा भरोसा जताते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस का कोई भी विधायक खुद को नहीं बेचेगा। उन्होंने कहा कि एक भी ऐसा विधायक नहीं है जो 20 करोड़ या 100 करोड़ रुपये के लिए भी अपनी ईमानदारी बेच दे, क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें अल्लाह को जवाब देना है। उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि वे पिछले दरवाजे से सत्ता हासिल करने की कोशिश न करें।

इस सम्मेलन के बाद, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने भी अपनी पार्टी को तोड़ने की कोशिशों की बात स्वीकार की और कहा कि ऐसी कोशिशें अतीत में भी की जा चुकी हैं। उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इन सब बातों से निराश न हों।

बांग्लादेश में आतंकी प्रशिक्षण शिविर होने के दावे से बढ़ी चिंता

-चिकन नेक को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी के दावों से रणनीतिक बहस हुई तेज

नई दिल्ली(एजेंसी)। बांग्लादेश में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविरों और भारत के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) को लेकर पूर्व रॉ अधिकारी लकी बिष्ट के दावों के बाद सुरक्षा संबंधी चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, इन दावों की भारत सरकार या किसी आधिकारिक एजेंसी की ओर से फिलहाल पुष्टि नहीं की गई है।

दरअसल लकी बिष्ट ने सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दावा किया कि बांग्लादेश के विभिन्न क्षेत्रों में कथित आतंकी प्रशिक्षण शिविर संचालित हो रहे हैं, जहां पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके सहयोगियों की भूमिका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि वर्ष 2025 में पाकिस्तान की आईएसआई के प्रमुख आसिम मलिक ने बांग्लादेश यात्रा के दौरान इन

कथित शिविरों का गुप्त दौरा किया था। इन दावों के समर्थन में कोई आधिकारिक साक्ष्य सार्वजनिक नहीं किया गया है।

पूर्व रॉ अधिकारी ने रंगपुर, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स, सिलहट और नेत्रोकोना क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इन इलाकों में विभिन्न चरमपंथी संगठनों से जुड़े तत्व सक्रिय हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे आम तौर पर चिकन नेक कहा जाता है, पश्चिम बंगाल में स्थित भारत का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भू-भाग है। यह संकरा गलियारा देश के पूर्वोत्तर के आठ राज्यों–अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा–को शेष भारत से जोड़ता है। सबसे संकरे हिस्से में इसकी चौड़ाई लगभग 22 किलोमीटर है, जिसके कारण इसे सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माना जाता है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, सिलीगुड़ी कॉरिडोर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और पूर्वोत्तर राज्यों से संपर्क बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में इस क्षेत्र से जुड़े किसी भी सुरक्षा दावे का मूल्यांकन आधिकारिक खुफिया सूचनाओं और सरकारी जांच के आधार पर ही किया जाना चाहिए। फिलहाल बांग्लादेश में कथित आतंकी शिविरों और उनके भारत की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी से ध्यान भटकाने बीजेपी यूसीसी का मुद्दा उठा रही

-शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे ने कहा-बीजेपी बाबर जनता पार्टी बन गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति गर्मा गई है। उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली विपक्षी शिवसेना (यूबीटी) इस मुद्दे को लेकर बीजेपी के खिलाफ खुलकर मैदान में आ गई है। शिवसेना (यूबीटी) महाराष्ट्र में राम रक्षा आंदोलन चला रही है, वहीं पार्टी के प्रमुख नेताओं ने बीजेपी के खिलाफ जमकर बयानबाजी की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे और पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना को लेकर बीजेपी पर हमला बोला। आदित्य ने कहा है कि हम भगवान राम को बीजेपी से बचा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि बीजेपी अब बाबर जनता पार्टी बन गई है। आदित्य ने आरोप लगाया है कि बीजेपी राम मंदिर में हुई लूट से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी इस मुद्दे से देश का ध्यान भटकाने के लिए समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का मुद्दा उठा रही है। आदित्य ने कहा कि हम ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने यूसीसी को लेकर पार्टी का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इसके गुण-दोष के आधार पर बहस होनी चाहिए। हम इसका समर्थन करेंगे। आदित्य ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और कई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग की।

रिपोर्ट के मुताबिक आदित्य ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर में हुई लूट की निष्पक्ष जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना चाहिए। बता दें शिवसेना के राम रक्षा आंदोलन की शुरुआत

पिछले दिनों पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दादर के हनुमान मंदिर से की थी। इस मौके पर मंदिर आंदोलन में बालासाहेब ठाकरे की भूमिका को याद करते हुए उन्होंने चढ़ावा चोरी को हिंदू आस्था के साथ विश्वासघात बताया था।

नरोत्तम मिश्रा ने ऐसा क्या कह दिया कि उमा भारती ने की सराहना

-दतिया उपचुनाव के लिए भाजपा के घोषित प्रत्याशी को रार

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा की खुले मन से सराहना की है। वहीं उन्होंने दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा से घोषित प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को जीत का आशीर्वाद भी दे दिया है।

दरअसल भाजपा प्रत्याशी घोषणा को लेकर नरोत्तम मिश्रा समर्थकों ने विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया था। जो आगे चलकर हिंसक हो गया। इसी बीच शीर्ष नेतृत्व के दखल के बाद नरोत्तम मिश्रा ने पार्टी प्रत्याशी के नामांकन में शामिल होने का ऐलान किया, जिसे उमा भारती ने संगठनात्मक मर्यादा और राजनीतिक परिपक्वता का आदर्श उदाहरण बताया है। यहां बताते चलें कि इन दिनों उमा भारती वृंदावन प्रवास पर हैं। वहीं से उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कि भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने उन्हें फोन कर चुनाव में जीत का आशीर्वाद

मांगा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने उन्हें पूरे मन से विजय का आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

इसी के साथ ही उमा भारती ने अपनी पोस्ट में नरोत्तम मिश्रा का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि प्रत्याशी की घोषणा के बाद उन्होंने नरोत्तम मिश्रा को यह कहते सुना कि वे आशुतोष तिवारी के नामांकन में शामिल होंगे। उन्होंने इस कदम को लोकतांत्रिक मूल्यों और पार्टी अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि यही किसी बड़े नेता की पहचान होती है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा कि वह नरोत्तम मिश्रा का अत्यंत सम्मान करती हैं और उनके प्रति स्नेह रखती हैं। उन्होंने कहा कि जो बात वह स्वयं कहना चाहती थीं, उसे नरोत्तम मिश्रा ने अपने व्यवहार से पहले ही सिद्ध कर दिया। उनके अनुसार, यह नरोत्तम मिश्रा के बड़प्पन और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि दतिया उपचुनाव में भाजपा ने पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा के स्थान पर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। टिकट की घोषणा के बाद कुछ समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाने और पथराव की घटना भी हुई, जिसमें पुलिस अधीक्षक सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। हालांकि, इसके बाद पार्टी नेतृत्व ने स्थिति को संभालने का प्रयास किया है, जिसका असर भी नजर आया है।

फिल्म सतलुज में किए गए दावों के समर्थन में प्रमाण सार्वजनिक करें मेकर्स

-केंद्रीय राज्यमंत्री बिट्टू ने कहा-प्रमाण सही पाए गए तो माफी मांगने को तैयार

चंडीगढ़(एजेंसी)। केंद्रीय राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म सतलुज को लेकर फिल्म निर्माताओं पर सवाल उठाते हुए उनसे फिल्म में किए गए कुछ दावों के समर्थन में दस्तावेजी प्रमाण सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म में दिखाए गए तथ्यों के पर्याप्त सबूत नहीं हैं, तो दर्शकों के सामने उन्हें ऐतिहासिक सत्य के रूप में पेश करना उचित नहीं है। बिट्टू ने विशेष तौर पर फिल्म में कथित तौर पर दर्शाए गए 25 हजार लापता या अवैध रूप से दाह-संस्कार किए गए शवों के दावे पर आपत्ति जताई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिट्टू का कहना है कि यदि इस आंकड़े के समर्थन में आधिकारिक रिकॉर्ड या ठोस दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ऐसे प्रमाण

सामने आते हैं तो वह सार्वजनिक रूप से अपनी बात वापस लेने और माफी मांगने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास से जुड़े विवादित मामलों को बिना ठोस सबूत के दिखाना सही नहीं है। उनके मुताबिक पंजाब के आतंकवाद के दौर की कहानी दिखाते समय सभी पक्षों को बराबर जगह मिलनी चाहिए।

बिट्टू ने कहा कि फिल्म में आतंकवाद का सिर्फ एक पक्ष दिखाया गया है, जबकि निर्दोष लोगों, बस यात्रियों, दुकानदारों, सरकारी कर्मचारियों और मजदूरों की हत्याओं को उतनी अहमियत नहीं दी गई, जितनी दी जानी चाहिए थी। बिट्टू ने यह भी सवाल उठाया कि फिल्म में आतंकवाद के दौरान मारे गए निर्दोष लोगों और पुलिस व सुरक्षा बलों के जवानों के बलिदान को कितना दिखाया गया है। उन्होंने फिल्म मेकर्स से कहा कि अगर उनके पास 25 हजार शवों के दावे के सबूत हैं तो उन्हें सामने लाएं। अगर सबूत नहीं हैं, तो इस दावे पर पंजाब के लोगों से माफी मांगे।

चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल किया, भारत अभी कई साल दूर

-इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट बूस्टर को वापस हासिल कर लिया है। इसके साथ ही वह उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो दोबारा इस्तेमाल होने वाले लॉन्च सिस्टम पर काम कर रहे हैं। वहीं इसरों के दोबारा इस्तेमाल होने वाले नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल की डेमो-फ्लाइट में अभी कई साल और लगेंगे। चीन ने हैनान तट के पास वर्टिकल पावर्ड डिसेंट के बाद अपने लॉन्ग मार्च-10बी रॉकेट के पहले चरण के बूस्टर को वापस हासिल कर लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी के हवाले से बताया कि इस बूस्टर के इस साल के आखिर में दोबारा उड़ान भरने की उम्मीद है। इस कामयाबी से ग्लोबल लीडर्स के साथ अंतर कम तो हुआ है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्पेस-एक्स अभी भी इस मामले में बेंचमार्क बना हुआ है; इसने करीब एक दशक से फाल्कन-9 बूस्टर को लगातार रिकवर करके दोबारा इस्तेमाल किया है, जिससे लॉन्चिंग की लागत और तौर-तरीके पूरी तरह बदल गए हैं। ब्लू ओरिजिन भी अपने भारी-भरकम न्यू ग्लेन रॉकेट के लिए दोबारा इस्तेमाल होने वाले पहले चरण पर काम कर रहा है। चीन की यह कामयाबी दिखाती है कि दोबारा इस्तेमाल होने वाले ऑर्बिटल लॉन्च सिस्टम अब सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कमर्शियल और लूनर प्रोग्राम चलाने वाली बड़ी स्पेस ताकतों के लिए यह एक जरूरी क्षमता बनती जा रही है।

स्पेस एजेंसी की ताजा जानकारी के विश्लेषण से पता चलता है कि एनजीएलवी का विकास शुरू हो गया है। एनजीएलवी को आंशिक रूप से दोबारा इस्तेमाल होने वाला, इंसानों को ले जाने में सक्षम और व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक लॉन्चर बताया गया है। इस तीन-स्टेज वाले व्हीकल को लो-अर्थ ऑर्बिट तक 30 टन तक का पेलोड ले जाने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है और इसके दो वेरिएंट की योजना है। इसरो ने बताया कि पहले स्टेज को वर्टिकल लैंडिंग और दोबारा इस्तेमाल के जरिए रिकवरी के लिए कॉन्फिगर किया जाएगा। यह रिकवरी का तरीका मोटे तौर पर फाल्कन-9 जैसा ही है, जिसे सबसे पहले अपनाया गया था और अब चीन भी इसी रास्ते पर चल रहा है।

वस्त्र नगरी भीलवाड़ा: 500 उद्योग, 1 लाख श्रमिक, 30 हजार करोड़ का सालाना टर्नओवर

बिजली दरें और श्रमिकों की कमी बड़ी चुनौती, सांसद बोले- मेगा टेक्सटाइल पार्क जल्द, एक्सपोर्ट 6000 करोड़ पार

स्मार्ट हलचल| पवन बावरी

भीलवाड़ा। वस्त्र उद्योग के नाम से विश्व पटल पर पहचान रखने वाला भीलवाड़ा आर्थिक रूप से मजबूत तो है, लेकिन बिजली की बढ़ती दरें और श्रमिकों की कमी जैसी चुनौतियों का भी सामना कर रहा है। इसके बावजूद भीलवाड़ा का उद्योग 1 लाख से अधिक श्रमिकों के लिए रोजगार का साधन बना हुआ है।

भीलवाड़ा में लगभग 500 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं। इनमें 300 वीविंग, 100 गारमेंट्स, 50 प्रोसेसिंग, 22 प्रोसेस हाउस, 16 स्पिनिंग मिल और 20 डेनिम प्लांट शामिल हैं। शहर में प्रतिमाह 10 करोड़ मीटर कपड़ा बनता है। यार्न का मासिक उत्पादन 60 हजार टन और वार्षिक टर्नओवर 30,000 करोड़ से ज्यादा है।

एक्सपोर्ट में भीलवाड़ा अव्वल

भीलवाड़ा का एक्सपोर्ट 6000 करोड़ से ज्यादा है, जिसमें 2000 करोड़ का एक्सपोर्ट फाइन काउंट कॉटन का है। वैश्विक हालातों के बावजूद भीलवाड़ा की क्वालिटी की तारीफ हर देश में होती है।

रोजगार का बड़ा केंद्र

भीलवाड़ा के उद्योगों से राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड समेत कई राज्यों के लोग जुड़े हैं। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को सीधा रोजगार मिल रहा है।

'पिछड़ा माना जाने वाला भीलवाड़ा अब विश्व पटल पर' : सांसद दामोदर अग्रवाल

भीलवाड़ा सांसद एवं टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष दामोदर अग्रवाल ने कहा कि किसी जमाने में भीलवाड़ा पिछड़ा माना जाता था, लेकिन आज वह कालखंड में कई आगे निकल चुका है। अग्रवाल ने कहा कि आज भीलवाड़ा अपनी अलग पहचान रखता है। आर्थिक रूप से ही नहीं, बल्कि पर्यावरण, सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी भीलवाड़ा पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि भीलवाड़ा का उद्यमी निरंतर प्रयास करता है और आज पूरे विश्व पटल पर क्वालिटी को लेकर अपनी अलग पहचान रखता है।

सांसद ने बताई प्राथमिकता

भीलवाड़ा सांसद एवं टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के अध्यक्ष दामोदर अग्रवाल ने कहा कि भीलवाड़ा भारतीय औद्योगिक इकाई में पांचवें नंबर पर है। 'यहां प्रदूषण दूसरी इंडस्ट्री की तुलना में बहुत कम है। उद्यमी पर्यावरण का भी खास ध्यान रख रहे हैं। बिजली दरों में राहत को लेकर हमने सरकार तक बात पहुंचाई है। मेवाड़ टेक्सटाइल पार्क को लेकर केंद्र को रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। स्वीकृति मिलते ही भीलवाड़ा को मेगा टेक्सटाइल पार्क की सौगात मिलेगी '। उद्यमियों की मांग है कि राज्य और केंद्र सरकार सोलर प्लांट और बिजली दरों में रियायत दे, ताकि उद्योग की समस्याओं का निस्तारण हो सके।

उद्योगपति विजय अग्रवाल ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिकों की कमी के चलते सरकार को विचार करना चाहिए। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार शिविर के माध्यम से लोगों को सीधे औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ने के प्रयास होने चाहिए। अग्रवाल ने कहा कि इससे औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिकों की कमी पूरी होगी और ग्रामीणों को रोजगार मिल सकेगा। यदि सरकार इस पर संज्ञान लेती है तो ग्रामीण क्षेत्र के कई किसानों समेत लाखों लोगों को उद्योग से जुड़कर रोजगार मिल सकता है। उन्होंने बताया कि निरंतर श्रमिकों की कमी से औद्योगिक क्षेत्र पर असर दिख रहा है। भीलवाड़ा में कुछ नई छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां खुली हैं, जहां काफी श्रमिकों की कमी है। अग्रवाल ने मांग की कि सरकार संज्ञान लेकर औद्योगिक इकाइयों के साथ मिलकर गांवों में रोजगार शिविर लगाए, जिससे लोगों को सीधे उद्योग क्षेत्र से जुड़ने का मौका मिल सके।

उद्योगपति सुनील मेहता ने कहा कि भीलवाड़ा में गारमेंट्स का उद्योग भी निरंतर आगे बढ़ रहा है और धीरे-धीरे प्रगति कर रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में केंद्रीय मंत्री ने भी भीलवाड़ा का दौरा किया था। उस दौरान उद्योग में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए कई बार मांग पत्र सौंपे गए हैं। सरकार उन पर काम कर रही है और जल्द ही संज्ञान लिए जाने की उम्मीद है। मेहता ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र की छोटी-मोटी समस्याओं के निस्तारण के लिए केंद्र सरकार को मांग पत्र सौंपा जा चुका है। भीलवाड़ा के उद्योगपति दिल्ली और राज्य सरकार को भी कई बार अवगत करवा चुके हैं।

'समस्याओं का असर औद्योगिक क्षेत्र पर पड़ रहा है, लेकिन भीलवाड़ा का उद्योग आर्थिक रूप से मजबूत है और आगे बढ़ रहा है। यह उद्योगों की कार्यशैली का परिणाम है कि भीलवाड़ा का नाम विश्व पटल पर हो रहा है,' मेहता ने कहा।

टेक्सटाइल फेडरेशन के उपाध्यक्ष बोले- क्वालिटी निखर रही, अलग पहचान बनी

टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेमचंद गर्ग ने कहा कि हमारी औद्योगिक इकाइयां क्वालिटी के बेस पर पूरे विश्व भर में व्यापार कर रही हैं।

गर्ग ने कहा कि हमारी क्वालिटी को निखारा जा रहा है और अलग पहचान दिख रही है, जिस पर हमें गर्व है। आने वाले समय में भीलवाड़ा कपड़े की क्वालिटी में नंबर वन स्थान प्राप्त करेगा।

उद्योग का धर्म है समाज के साथ खड़ा रहना, तभी भीलवाड़ा बना मैनचेस्टर ऑफ इंडिया' : चांडक

उद्योगपति मनीष चांडक ने कहा कि उद्यमी होने के नाते हमारा यह धर्म है कि समाज के हर वर्ग के लिए उद्योग हमेशा खड़ा रहे, चाहे वह सरकार हो, हमारे कामगार हों या व्यापारी। उन्होंने कहा कि हमने बातचीत और सूझबूझ से हर मुश्किल घड़ी में एक-दूसरे का साथ देकर उद्योग को बढ़ावा दिया है। उसी का परिणाम है कि भीलवाड़ा आज 'मैनचेस्टर ऑफ इंडिया' बना है। 'हमारा प्रयास रहता है कि सभी लोगों को एक साथ जोड़कर उनके विकास के लिए काम करें और उन्हें ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। इसके लिए हमारा प्रयास निरंतर बना रहता है,' चांडक ने कहा।

जिले के लव गार्डन रोड पर अतिक्रमण बना बड़ी परेशानी

कार्रवाई के कुछ घंटों बाद फिर सड़क पर कब्जा

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

शहर के लव गार्डन रोड पर कुछ लोगों द्वारा हाथ-ठेले लगाकर सार्वजनिक स्थल पर करीब 50 फीट से अधिक अतिक्रमण किए जाने से स्थानीय मोहल्लेवासी लंबे समय से परेशान हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर कई बार यूआईटी प्रशासन एवं उच्च अधिकारियों को अवगत कराया और अतिक्रमण हटाने की मांग की।

जानकारी के अनुसार, अब तक पांच से अधिक बार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन हर बार कार्रवाई के महज तीन से चार घंटे बाद ही अतिक्रमणकारी दोबारा उसी स्थान पर कब्जा कर लेते हैं, जिससे प्रशासनिक कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

यूआईटी के शक्ति सिंह अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंचे। इस दौरान मोहल्लेवासियों ने उनके समक्ष अपनी समस्या रखी और स्थायी समाधान की मांग की। क्षेत्रवासियों के अनुसार, शक्ति सिंह ने आश्वासन दिया कि जल्द ही प्रभावी कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया जाएगा, ताकि आमजन को सड़क पर निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल सके।

अवैध खनन कर बजरी माफियाओं ने किया बजरी का स्टॉक

अलग अलग बाड़ों में पुलिस ने दबिश देकर किया भंडाफोड़

स्मार्ट हलचल| बनेड़ा

उपखण्ड सर्किल के सरदार नगर गांव स्थित सोमनाथ गौ शाला के पास स्थित स्थित भील बस्ती में जगह जगह पर अवैध खनन कर बजरी के स्टाक कर रखे हैं। अवैध रूप खनन करके बजरी के भंडार होने की सुचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर के मौक़ा मुआयना करने के साथ ही अवैध बजरी के भंडारण की माइनिंग विभाग को सूचना दी गई। सरदारनगर के पास चरागाह और बरसाती नालो से अवैध रूप से बजरी खनन के अवैध बजरी का कारोबार करने वाले कुछ लोगों द्वारा चरागाह में बसी भील बस्ती में जगह जगह अवैध रूप से बनाए गए बाडो में बजरी का भंडारण कर के रखा गया है। जहां से इस बजरी को बजरी माफिया द्वारा ट्रेक्टरो द्वारा गांव के साथ ही आस पास के स्थानों पर इसकी सप्लाई कि जाती है। एक तरफ गांव के लोग गांव के आस पास पेड़ लगाकर के पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना योगदान दे रहे हैं । वहीं गांव के कुछ लोगों द्वारा किए जाने वाले अवैध रूप बजरी खनन के कारण हरे पेड़ बजरी खनन की भेंट चढ़ रहें हैं।

पुलिस की सुचना पर सोमवार दोपहर बाद माइनिंग विभाग पुलिस और राजस्व विभाग की टीम सरदार नगर पहुंची। जहां पर माइनिंग विभाग की टीम द्वारा भील बस्ती में मिले बजरी के भंडार (भंडारण) को बजरी मानने से इंकार करते हुए । पहले इसको नष्ट करने के प्रयास किए गए। मगर साधन के उपलब्ध नहीं होने के चलते गेर मुमकिन चरागाह आराजी न 2997 पर मिली करीब 75 टन (बजरी -मिट्टी) मिश्रित भंडारण को ग्राम पंचायत के सुपुर्द किया गया। जिससे बाद में थाने में ले जाया जाएगा ।

मानवीय संवेदनाओं को तार-तार कर प्रचार प्रसार में जुटे सिम्स हॉस्पिटल की कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

सीएमएचओ ने थमाया कारण बताओं नोटिस

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

पिछले कुछ दिनों से जिले के सबसे बड़े एमजी हॉस्पिटल में प्रसुताओं की मौत को लेकर शहर में एमजी हॉस्पिटल की अव्यवस्थाओं को लेकर सवाल खड़े हुए हैं तो वही पीड़ीत परिवारों में न्याय को लेकर उबाल है। जहां एक और शहरवासियों की मानवीय संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ है उसी के विपरीत शहर के एक प्रतिष्ठित हॉस्पिटल ने उन्ही मानवीय संवेदनाओं को तार-तार करते हुए आपदा में अवसर ढूंढा है जिसको लेकर सीएमएचओ ने उक्त हॉस्पिटल को कारण बताओं नोटिस थमाया है। जबकि सिम्स हॉस्पिटल प्रबंधन का कहना है कि मार्केटिंग स्टाफ ने गलती से यह है स्टेटस लगाया था जिसके लिए उसको प्रबंधन द्वारा निलंबित कर दिया गया है तो वही सिम्स हॉस्पिटल की कार्यशैली पर सवाल उठे हैं कि क्या किसी की बहन-बेटियों के साथ हुई घटना में भी प्रबंधन संवेदनाएं व्यक्त करने के बजाय इस तरह की हरकत क्यों कर रहा है। अब देखना यह होगा की सरकारी व्यवस्थाओं पर सवाल उठाने वाले सिम्स हॉस्पिटल पर सीएमएचओ या राज्य सरकार क्या एक्शन लेती है ??

यात्री जल्दबाजी में उड़ा रहे नियमों की खुलेआम धज्जियां, जीआरपी और आरपीएफ बनी मुकदर्शक

अनदेखी और उदासीनता रेलवे फाटक की स्थिति और गंभीर...

स्मार्ट हलचल|राजेश जीनगर

भीलवाड़ा। रेलवे ट्रैक (पटरी) का उल्लंघन, जिसे रेलवे की भाषा में अवैध प्रवेश तक कहा जाता है। साथ ही यह एक गंभीर और दंडनीय अपराध भी माना गया है। बावजूद इसके यात्री अपनी जान जोखिम में डालकर जल्दबाजी में रेलवे ट्रैक पार करते नजर आए। जबकि सुरक्षित यात्रा के लिए हमेशा फुटओवर ब्रिज या सबवे का ही इस्तेमाल करना होता है। रेलवे ट्रैक पार करने से जुड़े नियम और सजा की बात करें तो रेलवे एक्ट की धारा 147 के तहत पटरियों को अनाधिकृत रूप से पार करना या ट्रैक पर चलना अवैध है। ऐसा करते हुए जाने पर एक हजार तक का जुर्माना या 6 महीने तक की जेल का प्रावधान है। यदि उल्लंघन के कारण ट्रेन संचालन में बाधा आती है या जान-माल को खतरा होता है, तो रेलवे एक्ट की अन्य धाराओं (जैसे धारा 154) के तहत और भी सख्त कार्रवाई हो सकती है। यात्रियों की सुरक्षा और चेतावनी के बावजूद हर साल पटरियों को लापरवाही से पार करने के कारण सैकड़ों लोग दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। इसे रोकने के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा स्टेशनों और संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार चेकिंग अभियान भी चलाए जाते हैं। लेकिन वह महज अभियान तक ही सिमटकर रह जाते हैं और यहां नियमों की खुले आम धज्जियां उड़ती दिखाई देती है। यह सिर्फ स्टेशन की पटरियों तक ही सीमित नहीं है बल्कि फाटक पर भी 'जान की जाने की चिन्ता' के चलते बंद रेलवे फाटक से भी लोग अपनी जान जोखिम में डालकर ट्रेक पार करते नजर आ जाएंगे और स्थानीय जीआरपी व आरपीएफ मुकदर्शक बनकर देखते रहते हैं।

श्रृद्धालुओं के लिए सिरदर्द बने चालान ....

स्थानीय रेलवे स्टेशन परिसर स्थित बालाजी मंदिर में दर्शनों को आने वाले श्रद्धालुओं को भी जीआरपी व आरपीएफ नहीं बख्श रही है, और नो पार्किंग का चालान काट रही है। जिसके चलते श्रृद्धालुओं ने रोष गहराता जा रहा है। जबकि रेलवे पार्किंग ठेकेदार को अव्यवस्थित पार्किंग के लिए पाबंद किया जाना चाहिए, लेकिन इस अव्यवस्था का खामियाजा श्रृद्धालुओं को भुगतना पड़ रहा है और अव्यवस्थित पार्किंग के नोटिस थमाए जा रहें हैं, लेकिन पार्किंग ठेकेदार को पाबंद नहीं करना सैंकडों सवाल खड़े कर रहा है।

अकबरपुरा ओर सरदारपुरा गांवो में चोरों ने बोला धावा, लाखों का माल समेटा

स्मार्ट हलचल| बनेड़ा

उपखण्ड सर्किल के लाम्बिया खुर्द ग्राम पंचायत के अकबरपुरा ओर सरदारपुरा गांवो में दो घरों को निशाना बनाते हुए। अज्ञात चोर सोने चांदी के गहने सहित हजारों रुपए की नकदी चुरा कर के फरार हो गए। थाना सर्किल के अकबरपुरा गांव निवासी उम्मेद खां कायमखानी के कमरे के ताले तोड़कर अंदर गुसे चोर कमरे में रखी लोहे की पेट्टी निकाल कर के घर के पीछवाडे बाड़े में ले जाकर के अंदर से सात -आठ हजार की नकदी के साथ ही एक चांदी का नारियल और कपड़े चुरा ले गए। इसी प्रकार सरदारपुरा गांव में रहने वाले रतन लाल जाट के घर के मकान की खिड़की की जाली हटाकर के कमरे में घुसे चोरों ने कमरे में रखी आलमारी के ताले तोड़कर के आधार तोला सोने कि कान की झुमरिया एक पायजेब जोड़ी अंगुठी सहित चांदी के अन्य गहने तथा सात हजार कि नकदी चुरा ले गए। सोमवार सुबह जाग होने पर दोनों जगहों पर चोरी की वारदातो का पता लगने पर लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

अधिकारियों के तबादले के साथ ही बेअसर हुए आदेश! बस स्टैंड पर फिर नाले पर पक्का अतिक्रमण, कार्रवाई पर उठे सवाल

स्मार्ट हलचल

मंगरोप। कस्बे के बस स्टैंड पर प्रशासन द्वारा हाल ही में की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रशासनिक अधिकारियों के तबादलों के बाद बेअसर होती नजर आ रही है।जिस नाले से 9 जुलाई को भारी पुलिस जाप्ते की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाया गया था,वहीं अब दोबारा पट्टियां डालकर उस पर सीमेंट से पक्का निर्माण कर लिया गया है।इससे न केवल प्रशासनिक कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो गए हैं,बल्कि बस स्टैंड क्षेत्र में फिर से जाम,जलभराव और आमजन की परेशानी बढ़ने की आशंका भी गहरा गई है।जानकारी के अनुसार 9 जुलाई को पंचायत प्रशासन ने पुलिस बल की मौजूदगी में बस स्टैंड क्षेत्र में नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटाया था।उस दौरान प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि भविष्य में यदि किसी ने नाले पर दोबारा अतिक्रमण किया तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।लेकिन कुछ ही दिनों बाद हालात फिर पहले जैसे हो गए।अतिक्रमियों ने दोबारा नाले पर पट्टियां डालकर सीमेंट से पक्का निर्माण कर लिया और नाले पर फिर से कब्जा जमा लिया।-स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासनिक फेरबदल का फायदा उठाकर कुछ प्रभावशाली लोगों और जनप्रतिनिधियों के संरक्षण में दोबारा अतिक्रमण कर लिया गया।लोगों का आरोप है कि जिन अधिकारियों ने कार्रवाई कर अतिक्रमण हटवाया था,उनके स्थानांतरण के बाद कार्रवाई की गंभीरता भी खत्म हो गई और अतिक्रमियों के हौसले बुलंद हो गए।दरअसल,हाल ही में हमीरगढ़ तहसीलदार भंवरलाल सेन,मंगरोप थाना प्रभारी विजय मीणा, ग्राम विकास अधिकारी रामभवर सिंह राणावत तथा भू-अभिलेख अधिकारी चन्द्र प्रकाश प्रजापत सहित कई अधिकारियों का अन्य स्थानों पर तबादला हो चुका है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इसी प्रशासनिक बदलाव का फायदा उठाकर दोबारा नाले पर कब्जा कर लिया गया।इस पूरे घटनाक्रम के बाद लोगों के बीच यह सवाल भी चर्चा का विषय बना हुआ है कि क्या अधिकारियों के स्थानांतरण के साथ उनके निर्देश भी खत्म हो जाते हैं?यदि अतिक्रमण हटाने के कुछ ही दिनों बाद दोबारा उसी स्थान पर पक्का निर्माण हो सकता है तो फिर प्रशासन की कार्रवाई और चेतावनियों का क्या महत्व रह जाता है?

उधर,उपखंड अधिकारी (एसडीएम) झंवर लाल मित्तल ने कहा कि यदि अतिक्रमण हटाने के बाद किसी ने दोबारा अतिक्रमण किया है तो मामले की जांच कराई जाएगी।जांच में दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।अब लोगों की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है।यदि समय रहते दोबारा हुए अतिक्रमण नहीं हटाए गए तो बस स्टैंड क्षेत्र में यातायात व्यवस्था,नाले की निकासी और आमजन की सुविधा एक बार फिर गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है।

एमजी अस्पताल में प्रसूताओं की मौत पर कांग्रेस का हल्ला बोल, उच्च स्तरीय जांच व दोषियों पर कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। महात्मा गांधी चिकित्सालय में हाल ही में कुछ दिनों के भीतर हुई प्रसूताओं की मौत के मामलों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट पर विरोध दर्ज कराया। जिलाध्यक्ष शिवराम खटीक के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की उच्च स्तरीय, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर विभागीय और कानूनी कार्रवाई की मांग की। जिलाध्यक्ष शिवराम खटीक ने कहा कि लगातार हुई इन दुखद घटनाओं ने पूरे भीलवाड़ा जिले को झकझोर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि चिकित्सीय, प्रशासनिक या प्रबंधन स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों, चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मातृ स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में लापरवाही अस्वीकार्य है और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय होना जरूरी है।

ज्ञापन में कांग्रेस ने मृतक प्रसूताओं के परिजनों को उचित आर्थिक सहायता एवं न्याय दिलाने की मांग करते हुए अस्पताल की मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, ऑपरेशन थियेटर की व्यवस्था और चिकित्सा संसाधनों की तत्काल समीक्षा कर आवश्यक सुधार करने की बात कही। साथ ही चिकित्सकों, विशेषज्ञों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के रिक्त पद शीघ्र भरने, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना लागू करने की मांग भी उठाई। कांग्रेस ने कहा कि पूरे प्रकरण की जांच रिपोर्ट निर्धारित समय-सीमा में सार्वजनिक की जाए ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था पर आमजन का विश्वास कायम रह सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शाहपुरा में सरकारी व चारागाह भूमि पर कथित अवैध कब्जों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | शाहपुरा

शाहपुरा-बनेड़ा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रत्याशी नरेन्द्र कुमार रेगर ने शाहपुरा एवं बनेड़ा क्षेत्र में सरकारी तथा चारागाह भूमि पर कथित अवैध कब्जों के विरोध में सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने भीलवाड़ा जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी अधिकारियों एवं प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन में कांग्रेस के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस देहात अध्यक्ष रामलाल जाट के शामिल होने की घोषणा की गई थी, हालांकि वे प्रदर्शन में उपस्थित नहीं हुए।

ज्ञापन में रेगर ने आरोप लगाया कि जयपुर-केकड़ी प्रस्तावित फोरलेन मार्ग के निकट स्थित

लगभग 20 बीघा चारागाह भूमि के आवंटन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। उनका दावा है कि एक ही परिवार के सदस्यों द्वारा गठित कथित अवैध गौशाला समिति के माध्यम से नियमों के विपरीत इस भूमि के आवंटन का प्रयास किया गया। उन्होंने इस कथित प्रकरण की अनुमानित कीमत करीब 20 करोड़ रुपये बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

रेगर ने आरोप लगाया कि इस मामले में संबंधित राजस्व अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत रही है। उन्होंने माता जी का खेड़ा के पटवारी, गिरदावर, तहसीलदार, उपखंड अधिकारी, बिजली विभाग के अभियंता, नगर पालिका के ईओ तथा सहकारिता विभाग के रजिस्ट्रार की भूमिका की जांच कराने की मांग की।

इसके अलावा उन्होंने बनेड़ा उपखंड के अरनिया रासा में पंचायत भूमि पर भाजपा जिला मंत्री द्वारा

कथित अवैध कब्जा करने तथा बेरा पंचायत की श्मशान के लिए प्रस्तावित भूमि पर भाजपा विधायक के पुत्र के नाम से फर्म बनाकर कब्जे का प्रयास किए जाने के आरोप भी लगाए। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

प्रेस वक्तव्य में रेगर ने कहा कि संबंधित अधिकारियों ने नियमों और तथ्यों की निष्पक्ष जांच किए बिना रिपोर्ट प्रस्तुत कर आवंटन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया, जिससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे आमजन में आक्रोश है और प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए हैं।

रेगर ने चेतावनी दी कि यदि कथित अनियमितताओं की जांच कर दोषियों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी आमजन के हित में व्यापक आंदोलन करेगी।

ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश सचिव शकर लाल गाडरी, शाहपुरा ब्लॉक अध्यक्ष महावीर कुमावत, नगर अध्यक्ष रमेश सेन, नेता प्रतिपक्ष प्रतिनिधि सुनील मिश्रा, रायला नगर अध्यक्ष अनिल कोगटा सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।शाहपुरा में सरकारी व चारागाह भूमि पर कथित अवैध कब्जों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रदेश सचिव शकर लाल गाडरी, शाहपुरा ब्लॉक अध्यक्ष महावीर कुमावत, नगर अध्यक्ष रमेश सेन, नेता प्रतिपक्ष प्रतिनिधि सुनील मिश्रा, रायला नगर अध्यक्ष अनिल कोगटा सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमितेश पत्रिया बने राजस्थान प्रांतीय गुर्जरगौड़ ब्राह्मण सभा (युवा) के प्रदेश उपाध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। राजस्थान प्रांतीय गुर्जरगौड़ ब्राह्मण सभा (युवा) ने जहाजपुर निवासी अमितेश पत्रिया को संगठन का प्रदेश उपाध्यक्ष (युवा) मनोनीत किया है। यह नियुक्ति संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण, सक्रियता एवं नेतृत्व क्षमता को देखते हुए की गई है।

राजस्थान प्रांतीय गुर्जरगौड़ ब्राह्मण सभा (युवा) के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष योगेश कुमार व्यास एवं प्रदेश महामंत्री मुकेश त्रिपाठी द्वारा जारी मनोनयन पत्र में बताया गया कि अमितेश पत्रिया के संगठनात्मक अनुभव, कर्मठता तथा समाज सेवा के प्रति समर्पित भावना को ध्यान में रखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है।

पत्र में विश्वास व्यक्त किया गया है कि अमितेश पत्रिया अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए

पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करेंगे तथा समाजहित में संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस मनोनयन पर समाज के विभिन्न पदाधिकारियों, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने अमितेश पत्रिया को राकेश पत्रिया, भंवर पंचौली अरविंद कांटिया, राजीव कांटिया, नरेंद्र शर्मा, जगदीश पत्रिया, सुरेंद्र रूणिया, किशन पंचौली, नंद लाल जोशी शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की है।

जर्जर सराय बनी हादसे का सबब, वार्डवासियों ने नगर निगम से की तत्काल पुनर्निर्माण की मांग

माता महारानी मंदिर के पास स्थित निगम की सराय की छत और दीवारें हुई खस्ताहाल

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के वार्ड संख्या 24 स्थित कुचबंदा समाज मोहल्ले में माता महारानी मंदिर के समीप नगर निगम द्वारा वर्षों पूर्व निर्मित सराय रखरखाव के अभाव में पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। भवन की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि उसके कभी भी धराशायी होने की आशंका बनी हुई है। इससे स्थानीय निवासियों, श्रद्धालुओं और राहगीरों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर सोमवार को नगर अध्यक्ष भूपेंद्र (कुणाल) गोरण के नेतृत्व में मोहल्लेवासियों ने नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर सराय के शीघ्र पुनर्निर्माण अथवा आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की। भूपेंद्र गोरण ने बताया कि नगर निगम ने वर्षों पहले माता महारानी मंदिर के पास इस सराय का निर्माण कराया था, लेकिन समय-समय पर रखरखाव नहीं होने से इसकी हालत लगातार बिगड़ती चली गई। वर्तमान में सराय की छत पूरी तरह खोखली हो चुकी है तथा दीवारों का प्लास्टर

टूटकर लगातार नीचे गिर रहा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मोहल्लेवासियों ने बताया कि यह सराय घनी आबादी वाले क्षेत्र और प्रसिद्ध माता महारानी मंदिर के ठीक समीप स्थित है। मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, वहीं आसपास के लोगों की भी दिनभर आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में जर्जर भवन के गिरने की स्थिति में जन-धन की बड़ी हानि होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। ज्ञापन में नगर निगम आयुक्त से मांग की गई है कि जनहित और सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सराय का तत्काल तकनीकी निरीक्षण कराया जाए तथा किसी भी संभावित दुर्घटना से पहले उसके पुनर्निर्माण अथवा आवश्यक मरम्मत का कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान शुभम गोरण, सोनू चावरिया, रोहित आदिवाल, राज घावरी, राजवीर कुचबंदा, सौरभ, नरेश, अमल, विक्रम, विक्की, मनीष, अक्षय, ध्रुव, गौरव कुचबंदा सहित वार्ड 24 एवं कुचबंदा समाज मोहल्ले के अनेक क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते भवन की मरम्मत या पुनर्निर्माण नहीं कराया गया तो भविष्य में होने वाली किसी भी दुर्घटना की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

मांडलगढ़ थानाधिकारी नायक ने किया पदभार ग्रहण

स्मार्ट हलचल | मांडलगढ़

मांडलगढ़ थाना क्षेत्र को नए थानाधिकारी के रूप में राजकुमार नायक मिले हैं। राजकुमार नायक ने सोमवार को मांडलगढ़ थानाधिकारी पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने थाना परिसर का निरीक्षण किया तथा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं लंबित मामलों की जानकारी ली।

नवनियुक्त थानाधिकारी राजकुमार नायक ने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, महिला सुरक्षा तथा यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अपराध मुक्त एवं सुरक्षित वातावरण तैयार करना उनका लक्ष्य है।

उन्होंने थाना स्टाफ को निर्देश दिए कि फरियादियों के साथ

संवेदनशील एवं सकारात्मक व्यवहार किया जाए तथा प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अवैध गतिविधियों, मादक पदार्थों की तस्करी, जुआ-सट्टा और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।

पदभार ग्रहण के अवसर पर पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उनका स्वागत किया तथा सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। क्षेत्रवासियों ने भी नए थानाधिकारी से कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा आमजन की समस्याओं के समाधान की उम्मीद जताई है।

सरकार की ट्रांसपोर्ट विरोधी नीतियों के खिलाफः भीलवाड़ा ट्रांसपोर्ट नगर रहा पूरी तरह रहा बंद

3.5 करोड़ का कारोबार प्रभावित

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। सरकार की ट्रांसपोर्ट विरोधी नीतियों के खिलाफ राजस्थान ट्रांसपोर्ट संघर्ष समिति के आह्वान पर सोमवार को प्रदेशव्यापी चक्का जाम का भीलवाड़ा में व्यापक असर देखने को मिला। ट्रांसपोर्ट नगर दिनभर पूरी तरह बंद रहा। माल की बुकिंग, डिलीवरी और परिवहन गतिविधियां पूरी तरह ठप रहीं। बाहर से पहुंचे वाहनों को भी संघर्ष समिति की अनुमति के बाद ही खाली कराया गया।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष विश्वबंधु सिंह राठौड़ ने बताया कि बंद के कारण केवल भीलवाड़ा में करीब 3.5 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित हुआ। जिले में लगभग 2500 से 3000 मालवाहक वाहन खड़े रहे, जबकि ट्रांसपोर्ट नगर में 800 से 1000 वाहन दिनभर नहीं चले। इससे ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े 1000 से 2000 टेंपो चालक, हम्माल, लेबर और अन्य श्रमिकों की

आजीविका भी प्रभावित हुई।

समिति के सचिव अरिहंत जैन ने बताया कि यदि राज्य सरकार ट्रांसपोर्टरों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर वार्ता शुरू नहीं करती है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके तहत खनन क्षेत्रों, औद्योगिक इकाइयों, फैक्ट्रियों और अन्य लोडिंग प्वाइंट्स पर जाकर व्यापारियों और उद्योगपतियों से सहयोग मांगा जाएगा तथा माल की लोडिंग नहीं करने की अपील की जाएगी।

उन्होंने बताया कि आंदोलन को प्रभावी बनाने के लिए 8 गश्ती दल गठित किए गए हैं, जो मंगलवार से शहर और आसपास के क्षेत्रों में निरीक्षण करेंगे। आंदोलन की अवहेलना करने वालों के खिलाफ संगठनात्मक कार्रवाई और आर्थिक दंड का भी निर्णय लिया गया है।

कोषाध्यक्ष राहुल कटारिया ने दावा किया कि पूरे राजस्थान में चक्का जाम का पहला दिन ऐतिहासिक और सफल रहा। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्टर अपने अधिकारों और सम्मान की लड़ाई के लिए एकजुट हुए हैं। समिति ने आंदोलन को मिले व्यापारियों, उद्योगपतियों, वाहन मालिकों, श्रमिकों और आमजन के समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए सरकार से शीघ्र वार्ता कर मांगों का समाधान करने की मांग की।

अफीम किसानों को 2000 प्रति किलो के हिसाब से डोडा चुरा का मुआवजा दिलाने को लेकर कोटडी उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

स्मार्ट हलचल

आकोला। अफीम उत्पादक किसानों ने आज उपखंड अधिकारी कोटडी को आशिक धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया वह मांग कीराजस्थान व अन्य राज्यो में अफीम उत्पादक किसानों को भारत सरकार अफीम उत्पादन हेतु लाइसेंस जारी किया जाता है अफीम तो भारत सरकार जीवन रक्षक दवाइया बनाने के लिए निर्धारित मापदंड के अनुसार खरीद लेती है पर उससे बचा हुआ डोडा चूरा 2016 से पूर्व राज्य सरकार द्वारा निर्धारित ठेका पद्धति पर 125 प्रति किलो खरीदा जाता था जिसे राज्य सरकार ने बंद कर दीया व किसानों का डोडा चुरा नस्टीकरण का आदेश दिया हुआ है वह इस डोडा को जमींदोज किया जाता हैं जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान होता है अतः राज्य

सरकार से अफीम उत्पादक किसानों की यह मांग है की अफीम किसानों को 2000/ प्रति किलो के हिसाब से डोडा चुरा का मुवावजा वजन के अनुसारदिया जाए या किसानों को यह अधिकार दिया जाए की वह अपने खेत में ही इसको डिस्प्ले /हकाई से नस्टकरण कर दे व किसान स्व घोषित प्रमाण पत्र दे दे व किसानों के ऊपर इसका विश्वास किया जाए जिससे भूमि की उर्वरता भी बढ़ेगी वह किसान शोषण मुक्त भी होगा बहुत से किसानों के कच्चे मकान होने की वजह से डोडा चुरा को सुरक्षित करना मुश्किल होता है मवेशी खा जाते हैं या बारिश में भीग जाता है ऐसे में सभी किसानों का मापदंड के अनुसार डोडा चूरा रखना संभव नहीं हैअतः पुनः आपसे अनुरोध है कि जब तक किसानों को राज्य सरकार डोडा चूरा का मुआवजा 2000/ प्रति किलो के हिसाब से ना दे जब तक नष्ट करने के आदेश को स्थगित किया जाए या फिर अफीम किसानों पर विश्वास करके अपने ही खेत में नस्टी करण/ जमीदोज करने की अनुमति प्रदान करें ताकि किसान का खेत भी उपजाऊ बनेगा जैविक खेती का प्रसार भी बढ़ेगा वह सभी अफीम उत्पादक किसान डोडा चुरा का मुआवजा के उपरांत नस्तीकरण के लिए तैयार है ज्ञापन प्रांत अफीम आयाम प्रमुख/अध्यक्ष बद्रीलाल तेली व भारतीय किसान संघ तहसील अध्यक्ष संपत कुमार माली किसान नेता रामकुमार जाट अंबालाल जाट कैलाश माली प्रेम सिंह रामचंद्र बलाई जमनालाल जाट सरवन सिंह गोपाल लाल जाट शैतान लाल गुर्जर भैरूलाल जाट देवीलाल सुथार वह तहसील के सभी अफीम किसान उपस्थित रहे।

तालाब की भूमि भी नहीं छोड़ रहे भूमाफियाः आसींद के दूल्हेपुरा में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, ग्रामीणों में भारी रोष

स्मार्ट हलचल | आसींद

विधानसभा क्षेत्र के अंटाली तहसील के दूल्हेपुरा में भूमाफियाओं के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे सार्वजनिक तालाब और सरकारी भूमि को भी अपना निशाना बना रहे हैं। खसरा संख्या 459/2 (गेमू आबादी) पर किए जा रहे अवैध अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन पर मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाते हुए मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, खसरा संख्या 459/2 वर्षों से सार्वजनिक रास्ते और आबादी नाले के रूप में उपयोग में ली जा रही थी। यह भूमि तालाब की पाल क्षेत्र (गेमू पाल) के अंतर्गत आती है। आरोप है कि 15 जून 2026 को दबंगों ने पहले यहाँ तारबंदी की और 30 जून 2026 से ईंटों की दीवार खड़ी कर पक्का निर्माण शुरू कर दिया। ग्रामीणों

का आक्रोश स्थानीय प्रशासन के प्रति सातवें आसमान पर है। ग्राम प्रतिनिधि सुरेश गुर्जर, ने बताया कि उन्होंने इसकी शिकायत तत्कालीन ब्लॉक विकास अधिकारी भंवर सिंह चरण और ग्राम विकास अधिकारी ललित कोठारी से की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अधिकारियों ने जांच रिपोर्ट में यह दावा किया कि 7 जुलाई को रास्ता खुलवा दिया गया है, जबकि मौके पर आज भी अतिक्रमण जस की तस बना हुआ है। शिकायतकर्ताओं को सूचित किए बिना ही कुछ चहेते लोगों से हस्ताक्षर करवाकर उसे पूरे गांव की सहमति का नाम दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि उनके पास अतिक्रमण के वीडियो, फोटो, कॉल रिकॉर्डिंग और राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतें मौजूद हैं, जो अधिकारियों की पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं।

तालाब का अस्तित्व खतरे में

तालाब की भूमि भी नहीं छोड़ रहे भूमाफिया

ग्रामीणों ने चिंता जताई है कि यदि समय रहते तालाब की पाल और सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो जल संरक्षण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी। यह क्षेत्र वर्षों से पशुपालकों और किसानों के लिए मुख्य मार्ग रहा है, जिसका अवरुद्ध होना आमजन के लिए बड़ी समस्या बन गया है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में मांग की है कि किसी वरिष्ठ अधिकारी की देखरेख में निष्पक्ष जांच हो और अवैध निर्माण को तुरंत ध्वस्त किया जाए। ग्रामीणो ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने इस मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं की, तो ग्रामीण आंदोलन को और तेज करने के लिए विवश होंगे।

एक ओर सरकार सरकारी जमीनों को बचाने के लिए अभियान चला रही है, वहीं दूल्हेपुरा के स्थानीय अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण को अनदेखा करना और झूठी रिपोर्ट पेश करना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। अब देखना यह है कि क्या जिला प्रशासन इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करता है या फाइलों में ही यह मामला दफन हो जाएगा। उस मोके सुरेश गुर्जर, रामलाल गुर्जर, पन्नालाल गुर्जर, लादु गुर्जर, पाच गुर्जर,सुखदेव गुर्जर, गोपल गुर्जर, महावीर नन्दराम और ग्रामीण मोजुद रहे।

पोटलां की प्रसूता की मौत से आक्रोशः परिजनों और ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | पोटलां

भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में 6 दिन में 5 मौतों का मामला तुल पकड़ता नजर आ रहा है प्रसूता के परिवारजनों, ग्रामीणों, समाजजनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा मामले को प्रमुखता से उठाया जा रहा है। पोटलां कस्बे की रहने वाली 30 वर्षीय प्रसूता संगीता जीनगर पत्नी जितेंद्र जीनगर की हुई संदिग्ध मृत्यु के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस दुःखद घटना से व्यथित परिजनों और ग्रामीणों ने आज सोमवार को भीलवाड़ा पहुँचकर जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

दो मासूमों के सिर से उठा माँ का साया

मृतका के परिजनों ने बताया कि संगीता की मृत्यु के बाद उसके परिवार पर दुखों का

पहाड़ टूट पड़ा है। संगीता अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गई है–एक 2 साल का बेटा और महज 5 दिन की नवजात बेटी। इन मासूमों के सिर से माँ का साया उठ जाने से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पोटलां निवासी जीनगर समाज की बेटी संगीता जीनगर को प्रसव के लिए सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच महात्मा गांधी चिकित्सालय लाया गया था। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने के बाद भी डॉक्टरों ने करीब चार घंटे तक उसे भर्ती नहीं किया और लापरवाही बरतते रहे। बाद में समाज के जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप और फोन करने के बाद शाम करीब 6 बजे प्रसूता को भर्ती किया गया। इसके बाद चिकित्सकों ने परिजनों पर ऑपरेशन का दबाव बनाया, जिस पर परिजनों ने सहमति दे दी। मृतका की ननद सानू जीनगर ने बताया कि पहले ऑपरेशन के बाद डॉक्टरों ने गर्भाशय (बच्चे दानी) के दूसरे ऑपरेशन की बात कही। ऑपरेशन के बाद प्रसूता को होश नहीं आया और उसकी स्थिति लगातार बिगड़ती गई। आरोप है कि अस्पताल में फैले इन्फेक्शन और डॉक्टरों की लापरवाही के कारण संगीता ने दम तोड़ दिया। समाज के प्रतिनिधि गौरव जीनगर ने चेतावनी दी है कि चिकित्सालय प्रशासन और डॉक्टरों की इस घोर लापरवाही के खिलाफ यदि शीघ्र ही सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो पूरे राजस्थान में जीनगर समाज द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

'परिजनों का आरोप लापरवाही से गई जान '

मृतका के देवर हरीश जीनगर ने आरोप लगाया कि प्रसूता की मौत के पीछे चिकित्सालय प्रशासन की गंभीर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि स्टाफ गंभीर नहीं होने के कारण संगीता भाभी ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जाँच कराने की पुरजोर मांग की है ताकि दोषियों को सजा मिल सके और भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी त्रासदी न झेलनी पड़े।

कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में परिजनों ने प्रसूता की मृत्यु के कारणों की गहनता से जाँच व घटना के लिए जिम्मेदार चिकित्सा कर्मियों और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर उन पर कानूनी कार्यवाही की जाए।

आर्थिक सहायता

मृतका के दो छोटे बच्चों के भविष्य को देखते हुए सरकार द्वारा पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए। प्रतिनिधित्व कर रहे गौरव जीनगर ने बताया कि सिलसिलेवार 5 मौत का होना सरकार की अनदेखी और चिकित्सा विज्ञान की घोर लापरवाही है जो मानवीय मूल्यों पर सवालियां निशान है

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले में न्यायपूर्ण कार्यवाही नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में परिवारजन, समाजजन, ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बांसड़ा में पैंथर का हमलाः गोमाता बुरी तरह घायल, गांव में दहशत

प्रशासन से पैंथर को पकड़ने की मांग

स्मार्ट हलचल | गुरला

गुरला क्षेत्र के ग्राम पंचायत गुंदली के बांसड़ा में बीती रात पैंथर ने एक गोमाता पर हमला कर दिया। पैंथर ने भेरू लाल सेन के बाड़े में बंधी गाय को बुरी तरह नोच डाला। गाय अभी जिंदा है लेकिन उसकी हालत दयनीय बनी हुई है। परिजनों द्वारा गाय को इलाज के लिए अस्पताल ले गये।पैंथर के आए दिन होने वाले हमलों से आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। किसान और ग्रामीण खेतों में जाने से भी डर रहे हैं। बच्चों और महिलाओं

की सुरक्षा को लेकर लोग चिंतित हैं।

प्रशासन से मांग

गांव वालों ने वन विभाग और जिला प्रशासन से तुरंत पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने और गश्त बढ़ाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो कोई बड़ी जनहानि हो सकती है।

साहू समाज का महाकुंभ बना भीलवाड़ा, राष्ट्रीय महासम्मेलन की तैयारियों पर हुआ मंथन

प्रदेशभर से पहुंचे 500 से अधिक पदाधिकारी, सामाजिक एकता, शिक्षा और संगठन सशक्तीकरण पर जोर

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

राजस्थान प्रांतीय तैलीक साहू महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक रविवार को भीलवाड़ा स्थित हरिशेवाधाम में भव्य रूप से आयोजित की गई। प्रदेशभर से आए करीब 500 पदाधिकारियों, समाजसेवियों एवं प्रबुद्धजनों की उपस्थिति ने आयोजन को एक महाकुंभ का स्वरूप प्रदान कर दिया। बैठक में आगामी दिनों में भीलवाड़ा में प्रस्तावित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं जनचेतना महासम्मेलन की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा समाज के सर्वांगीण विकास, संगठन विस्तार और युवा पीढ़ी को समाज से जोड़ने के विषय पर मंथन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ हरीशेवाधाम महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम महाराज ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने आशीर्वचन में उन्होंने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, संस्कार और संगठन में निहित होती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को शिक्षा, नैतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों का आह्वान किया कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक संगठन की विचारधारा और सेवा कार्यों को पहुंचाएं।

अखिल भारतीय तैलीक साहू महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष टी.सी. चैधरी ने कहा कि साहू समाज देश के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में निरंतर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। उन्होंने समाज के युवाओं को नेतृत्व की मुख्यधारा में लाने, प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने और राष्ट्रीय स्तर पर समाज की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा में प्रस्तावित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक पूरे देश के साहू समाज को एक नई दिशा देने का कार्य करेगी।

प्रदेशाध्यक्ष देवीलाल साहू ने कहा कि संगठन की मजबूती ही समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने प्रदेशभर में चल रहे संगठन विस्तार अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक जिले और तहसील स्तर तक महासभा को मजबूत बनाया जा रहा है। उन्होंने समाज के लोगों से सामाजिक कुरीतियों को त्यागकर शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। महामंत्री आत्माराम लाईवाल ने संगठन की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि समाज की प्रगति के लिए सभी वर्गों को साथ लेकर चलना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महासम्मेलन में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार, महिला सशक्तीकरण और युवा नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष चर्चा होगी।

महामंत्री मेघराज साहू ने कहा कि समाज की नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सामाजिक जागरूकता अभियानों को गांव-गांव तक पहुंचाने तथा समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों और युवाओं को मंच प्रदान करने पर बल दिया। संगठन महामंत्री गोपाललाल साहू ने कहा कि संगठन तभी मजबूत बनता है जब प्रत्येक कार्यकर्ता स्वयं को जिम्मेदार समझकर कार्य करे। उन्होंने पदाधिकारियों से समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने और अधिकाधिक लोगों को महासभा से जोड़ने का आह्वान किया।

प्रदेश महिला अध्यक्ष अनुपमा मोदी ने महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति महिलाओं की भागीदारी के बिना संभव नहीं है। उन्होंने महिला शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक नेतृत्व को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में अधिक अवसर दिए जाने चाहिए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शौकीन चन्द्र राठौर ने भीलवाड़ा में प्रस्तावित जन चेतना सम्मेलन को सफल बनाने के लिए समाज के भामाशाहों से इस आयोजन में बढ़ चढ़कर सहयोग की अपील की। राष्ट्रीय पदाधिकारी ईश्वरलाल साहू ने कहा कि समाज की आर्थिक और सामाजिक उन्नति के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। वहीं जगन्नाथ सौलंकी ने सामाजिक समरसता, भाईचारे और संगठनात्मक अनुशासन को समाज की सबसे बड़ी ताकत बताया।

राष्ट्रीय युवक कार्यकारी अध्यक्ष देवराज तेली ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युवा समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, तकनीकी ज्ञान, उद्यमिता और सामाजिक नेतृत्व में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देकर समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। बैठक मे एडवोकेट लादूलाल तेली ने भी आगामी दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम को लेकर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम संयोजक प्रहलाद राय दिया ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं जनचेतना महासम्मेलन की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि भीलवाड़ा में आयोजित होने वाला यह आयोजन ऐतिहासिक होगा। इसमें देशभर से समाज के प्रमुख पदाधिकारी, संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि एवं समाज के गणमान्यजन भाग लेंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आयोजन को सफल बनाने के लिए सामूहिक सहयोग का आग्रह किया।

बैठक के दौरान विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई तथा समाज में शिक्षा के प्रसार, छात्रावासों के विकास, प्रतिभा सम्मान, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के कौशल विकास और संगठन विस्तार को लेकर कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, एकता और सामाजिक चेतना का वातावरण देखने को मिला। उपस्थित पदाधिकारियों ने एक स्वर में समाज को संगठित, शिक्षित और सशक्त बनाने के संकल्प को दोहराया। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों, समाजसेवियों और प्रबुद्धजनों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। हरिशेवाधाम परिसर दिनभर समाज की एकता, उत्साह और संगठनात्मक शक्ति का साक्षी बना रहा।

ये रहे मौजूद

बैठक में मंच संचालन सहसंयोजक एड़वोकेट कुशल साहू, भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष कैलाशचन्द्र आसरवा, शहर युवा अध्यक्ष राजकुमार डगवाल, नवनियुक्त महिला जिलाध्यक्ष रामू देवी अगवाल, शहर अध्यक्ष सीमा साहू, युवा जिलाध्यक्ष राजू तेली, ग्रामीण जिलाध्यक्ष रामपाल तेली, शाहपुरा जिलाध्यक्ष गोपाल ढाकरिया, आशा अगवाल, कार्यक्रम समन्वयक मुकेश तेली, गोपाल आसरवा भीलवाड़ा, राष्ट्रीय पदाधिकारी कैलाश इन्दौरा, जगन्नाथ सौलंकी, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष देवेन्द्र साहू, जयन्ती लाल राठौर, शम्भूलाल साहू नसीराबाद, बंशीलाल दशोरा निम्बाहेड़ा, शुगन बोहरा, राजेन्द्र बोहरा, अशोक साहू शाहपुरा, देवीलाल पचलोडिया राजसमन्द, पिन्टू असारवा ब्यावर, धनराज साहू अजमेर, युवराज राठौर बून्दी, नवरतन बलसोरा, भरत पचलोडिया, पिन्टू नैनावा उदयपुर, चन्द्रकांता राठौर चित्तौड़गढ़, हरिबक्ष गुलानिया, बजरंग कसोदनिया, बद्रीलाल तेली, राजेन्द्र कसोदनिया, नंदकिशोर पंचोली, ओम प्रधान कोटा, ईश्वर मोदी, भंवरलाल बानीणा चार चोकला अध्यक्ष, गोपाल दिया भीलवाड़ा, भैरूलाल काछोला, बनवारी दिया हरणी, देवीलाल साहू जाडाणा, सत्यनारायण तेली ऊंचा, प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष शिवलाल तेली, राजेश कसोदणिया प्रतापगढ़, रामेश्वर लाल गुलांणिया, मिठूलाल मांदरिया, माधवलाल सरतलिया कुंवालिया, श्यामलाल सोनावा भगवान पुरा, कालुराम सेंतवाल गंगापुर, प्यार चंद तेली रघुनाथपुरा, बद्रीलाल तेली बड़ला, हरीशंकर दिया सहित सैकड़ो प्रबुद्ध समाजजन मोजूद थे।

चारागाह भूमि पर भू-माफियाओं का पीला पंजा, जेसीबी से खोदा गोचर

भीलवाड़ा के गुरला में पशुपालक परेशान

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

गुरला क्षेत्र में सरकारी चारागाह भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा अवैध रूप से जेसीबी मशीनें चलाकर जमीन का प्राकृतिक स्वरूप बिगाड़ने का गंभीर मामला सामने आया है। माफियाओं ने रात के अंधेरे में गोचर भूमि को समतल करने के नाम पर जगह-जगह गहरे गड्ढे खोद दिए हैं और मिट्टी के बड़े-बड़े टीले खड़े कर दिए हैं। राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज इस आरक्षित भूमि पर हुए इस कृत्य से स्थानीय पशुपालकों में भारी आक्रोश है।

500 से अधिक मवेशियों के सामने चारे का संकट

गुरला निवासी बालू लाल दरोगा ने बताया कि यह चारागाह भूमि गांव के करीब 500 से अधिक पशुओं के चरने का एकमात्र सहारा थी। माफियाओं ने इसे पूरी तरह उजाड़ दिया है, जिससे अब मवेशियों के पैर रखने तक की जगह नहीं बची है। ग्रामीणों का आरोप है कि भू-माफिया इस बेशकीमती सरकारी जमीन को समतल कर इस पर अवैध प्लॉटिंग (प्लॉट काटने) की फिराक में हैं।

हाईवे 758 के नजदीक चारागाह पर अवैध मिट्टी दोहन

गुरला के रगसपुरिया चौराहे से कुछ दुरी पर हाईवे के पास जमीन पर बड़े बड़े खड़े कर रखें और इस जगह से अवैध मिट्टी दोहन किया जा रहा है परन्तु शासन प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

प्रशासनिक अनदेखी पर आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीणों का कहना है कि इस अवैध गतिविधि के खिलाफ स्थानीय प्रशासन को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। अधिकारियों की इस बेरुखी से नाराज ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही भू-माफियाओं के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाए गए और चारागाह को मुक्त नहीं कराया गया, तो वे भीलवाड़ा जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर उग्र धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

वक्फ संपत्ति पर कथित कब्जे और धार्मिक सामग्री के अपमान का आरोप, आम मुस्लिम समाज ने निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। वक्फ संपत्ति 'सुल्तान शाह की बावड़ी' से जुड़े विवाद को लेकर सोमवार को मुस्लिम समाज और मुस्लिम सद्भाव सेवा समिति ने जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन जामा मस्जिद के इमाम मौलाना हाफिजुर रहमान की सदारत में सौंपा गया, जिसमें शहर की विभिन्न मस्जिदों के इमामों सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि शाहपुरा स्थित वक्फ संपत्ति को लेकर माननीय न्यायालय ने 16 फरवरी 2026 को स्थायी निषेधाज्ञा जारी करते हुए संपत्ति के उपयोग, धार्मिक गतिविधियों और आवागमन में किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद नगर पालिका द्वारा कथित रूप से वक्फ संपत्ति पर तारबंदी कर कब्जा कर लिया गया, जिससे न्यायालय के आदेश की अवहेलना हुई और धार्मिक गतिविधियों के साथ आमजन के आवागमन में भी बाधा उत्पन्न हुई।

समिति ने यह भी आरोप लगाया कि दरगाह और मजार से संबंधित धार्मिक सामग्री तथा पवित्र कुरआन शरीफ की आयतों वाली चादरों को डंपिंग यार्ड में फेंक दिया गया, जिससे मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इस घटना को लेकर समाज में गहरा रोष व्याप्त है। ज्ञापन में प्रशासन से पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने, न्यायालय के आदेश की अवहेलना तथा धार्मिक सामग्री के कथित अपमान के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय व कानूनी कार्रवाई करने तथा भविष्य में वक्फ संपत्तियों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई।

इस दौरान मुस्लिम सद्भाव सेवा समिति के सदर शरीफ खान पठान, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता याकुब खान, हमीद रंगरेज, सलामुद्दीन पठान, सैयद शराफत अली, ताज मोहम्मद एडवोकेट सहित समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

मेवाड़ गौरव सम्मान-2026 : भीलवाड़ा के मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल|पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय (एसपीएसयू), उदयपुर के तत्वावधान में सृजन मीडिया द्वारा तथा आइंस्टीन अकादमी के समन्वय सहयोग से रविवार को होटल ट्यूलिप में 'मेवाड़ गौरव सम्मान-2026' का आयोजन किया गया। समारोह में मेवाड़ अंचल के विभिन्न विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम के लिए 450 से अधिक ऑनलाइन पंजीकरण प्राप्त हुए, जबकि समारोह में 250 से अधिक विद्यार्थी एवं अभिभावक शामिल हुए। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त वैज्ञानिक एवं भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. करण सिंहवी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता का आधार निरंतर परिश्रम, अनुशासन, नवाचार और सकारात्मक सोच है। उन्होंने विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया।

समारोह में पदमपत सिंघानिया विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. डॉ. सम्राट रे (डीन, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड लिबरल स्टडीज़), डॉ. हरीश तिवारी, डॉ. मनीष तिवारी, मोहित माथुर एवं दिनेश गुर्जर उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मान-पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों और अभिभावकों में उत्साह का माहौल रहा।

आयोजकों ने बताया कि 'मेवाड़ गौरव सम्मान' का उद्देश्य क्षेत्र की युवा प्रतिभाओं को पहचान दिलाना, उनकी उपलब्धियों को समाज के सामने लाना तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया गया।

रामपाल शर्मा बने राजस्थान प्रांतीय संगठन मंत्री युवा

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। राजस्थान प्रान्तीय गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष (युवा) योगेश कुमार व्यास के नेतृत्व में रामपाल शर्मा अमरतिया लाडपुरा को राजस्थान प्रान्तीय संगठन मंत्री (युवा) गुर्जरगौड़ ब्राह्मण सभा मनोनित करने पर योगेश कुमार व्यास (कार्यकारिणी प्रदेश अध्यक्ष युवा) मुकेश त्रिपाठी (प्रदेश महामंत्री युवा) ओर किशनलाल साखी (प्रदेश प्रभारी युवा) एवं शीर्ष नेतृत्व का बहुत बहुत हार्दिक आभार एवं धन्यवाद आप के इस विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा और समाज के लिए लाए गए हर निर्णय को पूरा करने का प्रयास करूंगा और साथ मिलकर समाज के हित के लिए कार्य करेंगे।

नई पेयजल टंकी निर्माण एवं जर्जर टंकी हटाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया नगर कमेटी सांगानेर ने क्षेत्र की पेयजल समस्या एवं जनसुरक्षा को लेकर जिला कलेक्टर, भीलवाड़ा को ज्ञापन सौंपकर सांगानेर क्षेत्र में 10 लाख लीटर क्षमता की नई पेयजल टंकी के निर्माण तथा वर्तमान जर्जर पानी की टंकी को तत्काल हटाने की मांग की।

ज्ञापन सौंपते हुवे नगर कमेटी से अब्दुल सलाम अंसारी ने बताया गया कि सांगानेर क्षेत्र की आबादी लगातार बढ़ रही है, जबकि वर्तमान पेयजल व्यवस्था क्षेत्र की आवश्यकता के अनुरूप नहीं है। साथ ही क्षेत्र में स्थित पुरानी ऊंची पानी की टंकी अत्यंत जर्जर एवं खतरनाक स्थिति में पहुंच चुकी है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

एसडीपीआई ने ज्ञापन में यह भी बताया कि उक्त जर्जर पानी की टंकी के समीप राजकीय उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं अभिभावकों का आवागमन रहता है। ऐसी स्थिति में किसी भी दुर्घटना की स्थिति में जन-धन की अपूरणीय क्षति होने की आशंका बनी हुई है।

जिला कार्यकारिणी सदस्य परवेज शेख़ ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सांगानेर क्षेत्र में 10 लाख लीटर क्षमता की नई पेयजल टंकी का शीघ्र निर्माण कराया जाए तथा वर्तमान जर्जर पानी की टंकी का तकनीकी निरीक्षण कर उसे तत्काल हटाने की कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर एसडीपीआई सांगानेर नगर कमेटी से सलाम अंसारी, शाहरुख़ अंसारी, जाकिर हुसैन मेवाती, कालू छिपा, अब्दुल सलीम अंसारी एवं सोयल अंसारी आदि मौजूद रहे।

फूलियाकलां थानाधिकारी दिनेश कुमार ने किया पदभार ग्रहण

स्मार्ट हलचल|अरवड़

फूलियाकलां थाना के नवनियुक्त थानाधिकारी दिनेश कुमार ने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने थाना क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, अपराध की प्रवृत्ति तथा कानून-व्यवस्था से जुड़ी जानकारी ली। थानाधिकारी दिनेश कुमार ने कहा कि क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, संपत्ति संबंधी विवादों का समयबद्ध निस्तारण तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का त्वरित समाधान किया जाएगा तथा पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अपराधमुक्त एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही असामाजिक तत्वों एवं अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भीलवाड़ा में गोगामेड़ी के संघर्ष और समाज सेवा को किया नमन, श्रद्धा और संकल्प के साथ केक काटकर दी श्रद्धांजलि

सनातन रक्षक स्वर्गीय गोगामेड़ी के संघर्ष, साहस और समाजहित में किए गए कार्य सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेंगे : जिलाध्यक्ष धनराज सिंह अमर्तिया

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना द्वारा सनातन रक्षक स्वर्गीय सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की जयंती जिलेभर में श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं समाज के प्रति किए गए योगदान का स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज और सनातन संस्कृति की सेवा के संकल्प लिया। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेश सचिव महिपाल सिंह केलवाद ने बताया कि भीलवाड़ा जिला इकाई के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष धनराज सिंह अमर्तिया ने केक काटकर स्वर्गीय गोगामेड़ी का जन्मदिन मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष धनराज सिंह अमर्तिया ने कहा कि स्वर्गीय सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने समाज, राष्ट्र और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके संघर्ष, साहस और समाजहित में किए गए कार्य सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि गोगामेड़ी केवल एक संगठन के नेता नहीं थे, बल्कि समाज की अस्मिता, स्वाभिमान और अधिकारों की बुलंद आवाज थे। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए समाज में एकता, भाईचारा और सेवा भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान संगठन की मजबूती और सामाजिक समरसता पर भी चर्चा की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर हेमेंद्र सिंह काछोला, अवतार सिंह कोयल, वीरेंद्र सिंह गुलगांव, दशरथ सिंह बिलिया, राजेंद्र सिंह गुर्जरवाड़ा, पायलट बना पाण्डरु, दशरथ सिंह नरूका (शंकरपुरा), लाल सिंह हरणी, महेंद्र सिंह जगपुरा, कर्ण सिंह झाला, भेरू सिंह समोडी, चंदू बना जावलिया खेड़ा सहित बड़ी संख्या में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रामीण सेवा शिविर में वर्षों पुराना स्कूल का अतिक्रमण हटाया, 10 पुश्तैनी पट्टे वितरित

शक्करगढ़ ग्राम पंचायत में विभिन्न विभागों ने मौके पर ही किए जनसमस्याओं का समाधान, राजस्व, कृषि, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का मिला लाभ

स्मार्ट हलचल| जहाजपुर

ग्राम पंचायत शक्करगढ़ में आयोजित ग्रामीण जनसमस्या समाधान एवं सेवा शिविर के दौरान माल की झोपड़ी स्थित राजकीय विद्यालय की भूमि पर वर्षों से चला आ रहा अतिक्रमण हटाया गया। यह अतिक्रमण विद्यालय की चारदीवारी (बाउंड्री) के भीतर था, जिसे प्रशासन की मौजूदगी में हटाकर विद्यालय परिसर को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। राजस्व विभाग की ओर से 10 पुश्तैनी पट्टे वितरित किए गए, जबकि 32 नए पट्टों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। इसके अलावा राजस्व संबंधी मामलों में 2 बंटवारे,

धारा 136 के 19 शुद्धिकरण तथा 15 नामांतरण प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

कृषि विभाग को 12 पाइपलाइन एवं 13 कृषि यंत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। किसानों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ने के लिए 'राज किसान' ऐप डाउनलोड करवाया गया। साथ ही भीमपुरा तालाब के छोरों की सफाई कराने का ग्रामीणों ने आवेदन किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से पालनहार योजना के 11 प्रकरणों का निस्तारण किया गया तथा 2 लाभार्थियों की पेंशन का नवीनीकरण किया गया। खाद्य सुरक्षा योजना से अब तक वंचित रहे 3 पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ दिलाया गया।

स्वास्थ्य विभाग की आयुर्वेद इकाई में बारिश के मौसम के कारण पेट दर्द सहित विभिन्न समस्याओं से पीड़ित 57 लोगों की जांच कर उपचार एवं आवश्यक परामर्श दिया गया।

शिविर के दौरान उपखंड अधिकारी छत्रपाल सिंह, विकास अधिकारी सीताराम मीणा, प्रधान प्रतिनिधि किशोर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने शिविर में मौके पर समस्याओं के समाधान और योजनाओं का लाभ मिलने पर संतोष व्यक्त किया।

रज़ा एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी के छठे एजाज़ी व तालीमी कॉन्फ्रेंस में प्रतिभाओं का भव्य सम्मान

'तालीम से ही बदलेगी तस्वीर, इल्म की शम्अ से रोशन होगा मुस्तकबिल'-आंजना

मेधावी छात्र-छात्राओं को मिला मंच, शिक्षा, मेहनत और कामयाबी का दिया गया पैगाम, शान-ए-शहर अवार्ड, मैकश अजमेरी उर्दू अवार्ड एवं विशेष सम्मान से नवाज़ी गई प्रतिभाएं

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा। शहर की अग्रणी सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्था रज़ा एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी, निंबाहेड़ा द्वारा आयोजित 'तालीबे इल्म का छठा एजाज़ी व तालीमी कॉन्फ्रेंस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह' शिक्षा, प्रेरणा और सम्मान का यादगार महोत्सव बन गया। कुसुम गार्डन, जे.के. रोड पर आयोजित इस भव्य समारोह में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षाविद, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करना नहीं था, बल्कि नई पीढ़ी के भीतर शिक्षा के प्रति जागरूकता, प्रतिस्पर्धा और उत्कृष्टता की भावना विकसित करना भी था। समारोह में विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं, डिग्री एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

शिक्षित समाज ही मजबूत राष्ट्र की पहचान : उदयलाल आंजना

समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता उदयलाल आंजना ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि 'तालीम किसी भी कौम और समाज की सबसे बड़ी ताकत होती है। जिस समाज में शिक्षा का उजाला होगा, वहां तरक्की, खुशहाली और भाईचारे का माहौल स्वतः निर्मित होगा। आज के बच्चे ही कल के वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, प्रशासक और जनप्रतिनिधि बनेंगे, इसलिए उन्हें बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ' उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार का साधन नहीं बल्कि बेहतर इंसान बनने का माध्यम भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम और सकारात्मक सोच से कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती। आंजना ने रज़ा एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी की सराहना करते हुए कहा कि संस्था वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में जो सेवाएं दे रही है, वह समाज के लिए मिसाल है। ऐसे आयोजन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं।

मेधावियों को मिला सम्मान, गूंजती रही तालियां

समारोह में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

इस अवसर पर आलिया शेख़, पूर्वा खान, इल्मा खान, रेहान खान, इन्शा एवं तनाज शेख़ सहित अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के चेहरों पर गर्व और खुशी साफ दिखाई दे रही थी।

अफ़सा मेव को मिला 'शान-ए-शहर अवार्ड '

राजस्थान विश्वविद्यालय में एम.ए. परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टॉपर बनने वाली अफ़सा मेव को समारोह में प्रतिष्ठित 'शान-ए-शहर अवार्ड' प्रदान किया गया। वहीं शिक्षा एवं उर्दू अदब के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हाजी लुकमान रहमानी को 'मैकश अजमेरी उर्दू अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इसके अलावा वर्षों से हज यात्रियों की सेवा, मार्गदर्शन एवं जनकल्याणकारी कार्यों में योगदान देने वाली हज खिदमत कमेटी, निंबाहेड़ा को विशेष सम्मान प्रदान कर उसकी सेवाओं का अभिनंदन किया गया।

विशेषज्ञ वक्ताओं ने दिए सफलता के सूत्र

कार्यक्रम में आरएनटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, कपासन के चेयरमैन डॉ. वसीम खान, दिल्ली के मास कम्युनिकेशन विशेषज्ञ डॉ. अखलाक उस्मानी, अहमदाबाद (गुजरात) के मोटिवेशनल स्पीकर जनाब इरफान मोगल, निंबाहेड़ा नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष सुभाष चंद्र शारदा तथा असरा वेलफेयर सोसायटी चित्तौड़गढ़ के अध्यक्ष सिद्दीक नूरी एवं आरिफ़ सर ने विद्यार्थियों की हौसला अफजाई की। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय ज्ञान, तकनीक और नवाचार का युग है। विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहकर आधुनिक तकनीक, डिजिटल शिक्षा, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को सफलता की कुंजी बताया।

अतिथियों का हुआ शानदार इस्तकबाल

कार्यक्रम के प्रारंभ में रज़ा एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष मोहम्मद फारुख, एडवोकेट सय्यद साजिद अली, मोहम्मद यासीन, हाजी लुकमान रहमानी, रशीद खान, आमिर अनवर, शाहरुख खान, शाहनवाज खान, सरफ़राज़ मेव, नाज़िम अंसारी, रईस अहमद, अहमद खान, अदनान रज़ा एवं वाजिद अंसारी सहित पदाधिकारियों ने अतिथियों का साफा बंधवाकर, गुलपोशी कर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया।

बड़ी संख्या में गणमान्यजन रहे मौजूद

समारोह में नगर कांग्रेस कमेटी संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी, जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव मनोज पारख, जिला महिला कांग्रेस उपाध्यक्ष शबाना खान, नगर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष मोहम्मद कुरैशी, ब्लॉक अध्यक्ष शब्बीर गौरी, जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग उपाध्यक्ष मामूर खां मेव, नगर कांग्रेस उपाध्यक्ष शम्शु कमर मंसूरी, पूर्व पार्षद हाजी अतीक खान, हाजी एजाज अहमद, इम्तियाज़ गौरी, सिराज मेव, वसीम इरफानी, मौलाना यूसुफ निज़ामी, मौलाना रिज़वान, उबैद खान, मतलूब अजमेरी, अख्तर पटेल, भुरू भाई जागीरदार, मोहम्मद फारुख छिपा, अब्दुल कलाम, सादिक खान, इमरान खान, अनीस अहमद, हाजी कल्लू मंसूरी, डॉ. मंसूर खान, डॉ. लतीफ खान, हाजी कय्यूम खान, परवेज़ खान, हाजी मुश्ताक मुल्तानी, मोहम्मद सलीम खान, आसिम खान, हाजी वली मोहम्मद शेख़, मकबूल खान, के.एल. कच्छावा, फिरोज मेव, अब्दुल वाहिद खान, अय्यूब नीलगर, जफर खान, ज़ाहिद खान, तालिब खान, राशिद खान, रफीक खान, पत्रकार भजन जिज्ञासु, मोहम्मद अय्यूब खान, ज़ाकिर हुसैन एवं फैसल खान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मोहम्मद फारुख एवं सिराज खान ने किया तथा अंत में संस्था की ओर से सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया गया।

दुगार में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित, लोगों की समस्याओं का किया समाधान

स्मार्ट हलचल | दुगार

दुगार में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान आमजन की समस्याओं की सुनवाई कर उनका मौके पर ही समाधान किया गया तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा कमांड मंडल अध्यक्ष राकेश पितलिया रहे। उनके साथ जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में पात्र परिवारों को आवासीय पट्टों का वितरण किया गया। साथ ही मंडल अध्यक्ष राकेश पितलिया एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म भी संपन्न कराई गई। महिला बाल विकास विभाग की ओर से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण संबंधी जानकारी भी दी गई। शिविर में समस्त प्रशासनिक अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रशासक नेमीचंद गुर्जर, कमलेश धाकड़, पप्पू गुर्जर, भंवर सिंह एवं नंदकिशोर सोनी भंवर सिंह सहित जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।

जिला अस्पताल में प्रसूता की मौत पर जीनगर समाज का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और सरकारी नौकरी की मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल की मातृ एवं शिशु इकाई में प्रसूता की मौत के बाद जीनगर समाज में भारी आक्रोश है। समाज के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करके मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होने मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। इस मामले में यदी समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो जीनगर समाज प्रदेश स्तर पर आंदोलन करेगा।

मृतका प्रसूता की ननद शानू जीनगर ने कहा कि मेरी भाभी संगीता को अस्पताल लाने के बाद समय पर उपचार नहीं मिला। पहले ऑपरेशन के बाद बच्चेदानी का दूसरा ऑपरेशन किया गया। इसके बावजूद उसे होश नहीं आया। हमने रेफर करने की बात कही गई मगर कई घंटे तक प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। हमारी मांग है कि हमारे परिवार को उचित मुआवजा, न्याय और सरकारी नौकरी दी जाएं। जिससे की मृतका के बच्चों का लालन-पोषण और परिवार की देखभाल हो सके।

साइबर फ्रॉड में संलिप्त म्यूल बैंक खाता धारक के खिलाफ कार्रवाई

प्रकरण में अब तक 13 आरोपी गिरफ्तार, 1 करोड़ 42 लाख 42 हजार 164 के लेन-देन का खुलासा

स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी। पुलिस ने साइबर फ्रॉड में लिफ्त म्युल खाता धारक पचपहाड़ निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया प्रकरण में अब तक कुल 13 आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

घटना विवरणः जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि दिनांक 9 अप्रैल 2026 को थाना भवानी मंडी को विशेष अभियान 'म्यूल हंटर' के तहत एक गोपनीय सूचना प्राप्त हुई कि भवानी मंडी क्षेत्र में ललित राणा पुत्र श्री दिनेश जाति ला.सहार निवासी रामनगर अपने बैंक खातों को म्यूल बैंक खातों के रूप में उपयोग कर इन खातों के माध्यम से बड़े पैमाने पर साइबर धोखाधड़ी कर रहा है।

तकनीकी विश्लेषण में पाया गया कि ललित राणा के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा भवानी मंडी के बैंक खाते का साइबर फ्रॉड में उपयोग हुआ है। इस पर खाता धारक ललित राणा के खिलाफ कई धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के निर्देशन में थाना अधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने 03 माह से फरार साइबर अपराध में संलिप्त म्यूल बैंक खाता धारक सैयद शाहनवाज अली को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की।

गिरफ्तार आरोपीः

सैयद शाहनवाज अली पुत्र श्री सैयद वसीम अली, जाति मुसलमान, उम्र 37 साल, निवासी नियर अंजुमन स्कूल, पचपहाड़, थाना भवानी मंडी, जिला झालावाड़

बायपास रोड स्थित कबीर आश्रम में कबीरपंथी समागम संपन्नः पंथ

हुजूर उदित मुनि नाम साहेब के सान्निध्य में निकली भव्य शोभायात्रा, सात्विक यज्ञ व प्रवचन से श्रद्धालु हुए निहाल

स्मार्ट हलचल | बूंदी

बायपास रोड स्थित संत कबीर आश्रम में कबीरपंथी सेवा समिति के तत्वावधान में विशाल कबीरपंथी समागम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में परम पूज्य पंथ हुजूर उदित मुनि नाम साहेब का पावन सान्निध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। उनके बूंदी आगमन पर कबीरपंथी समाज और स्थानीय धर्मप्रेमी जनता ने पलक-पावड़े बिछाकर उनका भव्य स्वागत किया।

भजनों की गूंज के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

समागम के अवसर पर शहर में एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में संतजन, मातृशक्ति, युवा और श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा में श्रद्धालु कबीर साहेब के भजनों पर झूमते-नाचते और जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई यह मंगल शोभायात्रा जब बायपास रोड स्थित कबीर आश्रम पहुंची, तो वहां का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

सात्विक यज्ञ और चौका आरती का अनुष्ठान

कबीर आश्रम पहुंचने पर पंथ हुजूर उदित मुनि नाम साहेब के पावन सान्निध्य में कबीर पंथ की सनातन परंपरा के अनुसार सात्विक यज्ञ (आनंदी चौका) का विधानपूर्वक आयोजन किया गया। इसके पश्चात विधि-विधान से चौका आरती की गई, जिसमें उपस्थत सैकड़ों श्रद्धालुओं ने आहुति देकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

प्रवचन के माध्यम से दिया आध्यात्म का ज्ञान

समागम के मुख्य सत्र में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पंथ हुजूर उदित मुनि नाम साहेब ने अपने ज्ञानमयी प्रवचनों से संगत को निहाल किया। उन्होंने आध्यात्म के गूढ़ रहस्य को सरल भाषा में समझाते हुए कहा कि मानव जीवन का परम लक्ष्य आत्म-कल्याण और सत्य के मार्ग पर चलना है। सद्गुरु कबीर साहेब की वाणी आज के युग में भी उतनी ही प्रासंगिक है, जो हमें ऊंच-नीच और पाखंड से दूर रहकर मानवता, प्रेम और सादगी का मार्ग दिखाती है। सात्विक जीवन अपनाकर ही मनुष्य मानसिक शांति और मोक्ष को प्राप्त कर सकता है।

प्रसादी और भंडारे के साथ हुआ समापन

इस आध्यात्मिक समागम में बूंदी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े। दर्शन, सत्संग और प्रवचन लाभ के उपरांत समिति द्वारा सभी भक्तों के लिए विशाल भोजन भंडारे (प्रसादी) का आयोजन किया गया, जो देर तक अनवरत चलता रहा। कबीरपंथी सेवा समिति के पदाधिकारियों, महंतों और कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने में अपना सराहनीय सहयोग दिया और समागम में पधारे सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

विशेष प्रजाति का कछुआ खरीद-फरोख्त के नाम पर 4 लाख की ठगी

मुख्य महिला आरोपी गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

महवा (दौसा)। महवा थाना पुलिस ने विशेष प्रजाति के कछुए की खरीद-फरोख्त के नाम पर 4 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से ठगी की रकम में से 2 लाख रुपये भी बरामद किए गए हैं। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

जिला पुलिस अधीक्षक दौसा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं वृत्ताधिकारी महवा के सुपरविजन में थानाधिकारी महवा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार पीड़ित ने 21 जून 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने विशेष प्रजाति के कछुए को कम कीमत में खरीदकर अधिक कीमत पर बेचने का झांसा देकर उससे 4 लाख रुपये की ठगी कर ली। इस संबंध में महवा थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य महिला आरोपी संतो देवी (50 वर्ष) निवासी बावरिया बस्ती, जिला दौसा को गिरफ्तार कर लिया।

दक्षिण राज. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव का बिगुल

अध्यक्ष सहित 16 पदों पर होगा चुनाव, नामांकन से लेकर शपथ ग्रहण तक की पूरी प्रक्रिया एक ही दिन होगी संपन्न

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के वर्ष 2026-29 के कार्यकाल हेतु नई पदाधिकारीयों के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। चुनाव कार्यालय, भीलवाड़ा द्वारा जारी चुनाव अधिसूचना के अनुसार सभा के अध्यक्ष सहित विभिन्न पदाधिकारियों का निर्वाचन 19 जुलाई 2026 (रविवार) को कार्यकारी मंडल के सदस्यों द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही चुनाव कार्यक्रम एवं प्रक्रिया भी जारी कर दी गई है। मुख्य चुनाव अधिकारी सत्यनारायण मुंदड़ा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार चुनाव में अध्यक्ष (1), उपाध्यक्ष (6), मंत्री (1), अर्थमंत्री (1) एवं संगठन मंत्री (1), सह मंत्री (6) सहित कुल 16 पदों के लिए निर्वाचन होगा। चुनाव प्रक्रिया केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न कराई जाएगी तथा समिति का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक पद के लिए नामांकन शुल्क 5,000 रुपये निर्धारित किया गया है। अध्यक्ष पद के उम्मीदवार की आयु 45 वर्ष तथा अन्य सभी पदों के उम्मीदवारों की आयु 40 वर्ष या उससे अधिक होना आवश्यक है। साथ ही केवल कार्यकारी मंडल के सदस्य ही मतदान के पात्र होंगे तथा मतदान के समय उनका उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 19 जुलाई को प्रातः 11.30 बजे से 12.30 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इसके बाद दोपहर 12.45 बजे नामांकन पत्रों की जांच एवं वैध प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित की जाएगी। दोपहर 1.30 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे तथा 1.45 बजे अंतिम प्रत्याशी सूची जारी होगी। यदि किसी पद पर एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में रहते हैं तो दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्त होते ही मतगणना की जाएगी और तत्पश्चात परिणाम घोषित किए जाएंगे। विजयी अध्यक्ष का शपथ ग्रहण परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद संपन्न कराया जाएगा। चुनाव कार्यालय ने सभी पात्र सदस्यों से समय पर उपस्थित होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है। चुनाव अधिसूचना की प्रतिलिपि केंद्रीय चुनाव समिति एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी गई है। माहेश्वरी समाज में चुनाव को लेकर उत्साह का माहौल है तथा विभिन्न पदों के लिए संभावित उम्मीदवारों के बीच संपर्क एवं तैयारियां तेज हो गई हैं।

नई कमान, नया संदेशः अपराधियों में रहेगा खौफ, आमजन का बढ़ेगा भरोसा

जहाजपुर थाने में दयाराम जाट ने संभाला कार्यभार

स्मार्ट हलचल | जहाजपुर

जिला पुलिस में हुए प्रशासनिक फेरबदल के बाद सोमवार को जहाजपुर थाने की कमान पुलिस निरीक्षक दयाराम चौधरी ने संभाल ली। शाम करीब 7 बजे थाना परिसर पहुंचने पर पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इसके बाद थाना परिसर में आयोजित विदाई एवं स्वागत समारोह में स्थानांतरित थाना प्रभारी लोकपाल सिंह राठौड़ को पुलिस स्टाफ तथा पत्रकार संगठनों की ओर से माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर भावभीनी विदाई दी गई। उपस्थित लोगों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवनियुक्त थाना प्रभारी दयाराम जाट ने कहा कि उनकी प्राथमिकता आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और अपराधियों में कानून का भय कायम रखना होगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि संगठित अपराध, अवैध गतिविधियों तथा अन्य आपराधिक मामलों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ पुलिस का इकबाल कायम रखा जाएगा और अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपराधियों में खौफ बरकरार रहेगा तथा अपराध पर और अधिक प्रभावी ढंग से नकेल कसी जाएगी। आमजन की शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण करते हुए जनसहयोग से बेहतर पुलिसिंग को प्राथमिकता दी जाएगी।

धीमी गति से चल रहे सीवरेज के निर्माण कार्य को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की चेतावनी

स्मार्ट हलचल

सांगोद। सांगोद जिला देहात कांग्रेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असरार अहमद के नेतृत्व में धीमी गति वह लापरवाही से सीवरेज के निर्माण कार्यों को लेकर उपखण्ड अधिकारी के नाम नायब तहसीलदार जुगल किशोर नागर को सोपा ज्ञापन जिला देहात कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असरार अहमद, पूर्व सरपंच पूलचंद गोचर,जिला देहात अल्पसंख्यक उपाध्यक्ष सलीम अंसारी ने बताया की साँगोद नगर में काफी लंबे समय से सीवरेज का निर्माण कार्य चल रहा है जिसमें सीवरेज ठेकेदार व कर्मचारियों की मनमानी से आए दिन रोड पर लंबा जाम लग जाता है सीवरेज

ठेकेदार के कर्मचारियों के द्वारा बहुत ही धीमी गति से सीवरेज का कार्य किया जा रहा है सीवरेज ठेकेदार के कर्मचारियों की वजह से सांगोद नगर में जाम की काफी समस्या बनी रहती है सीवरेज के कर्मचारियों के द्वारा दिन में जब वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है तब रोड पर अपने साधन खड़े कर बहुत ही धीमी गति चिटी चाल व लापरवाही से कार्य कर रहे हैं जब रोड पर अधिक वाहनों का जाम लग जाता है तब भी कर्मचारियों के द्वारा फोनों पर बात करते रहते हैं जिनकी कार्य में कोई दिलचस्पी नहीं होती है साथ ही रोड पे किए गए गड्ढों पर कोई सुरक्षा की व्यवस्था नहीं होती है जिससे आये दिन कई वाहन चालक गड्ढों में गिरकर घायल हो जाते हैं इससे लगता है कि सीवरेज ठेकेदार ने शायद अधिकारियों को भारी भरकम कमीशन दिया हुआ है जिससे जनता कितनी भी परेशान हो उनको उनका सीवरेज का कार्य धीमी गति से जनता को परेशान करते हुए पूरा करना है यदि ठेकेदार चाहे तो यह कार्य कर्मचारियों से रात के वक्त भी करवा सकता है जिससे बार बार जाम की समस्या न बने यदि सीवरेज ठेकेदार व कर्मचारियों के द्वारा इसी प्रकार मन मनमर्जी से बार बार जाम की समस्या बनाई गई तो कुछ दिनों में हम वहीं बैठकर धरना प्रदर्शन कर आंदोलन करेंगे। इसलिए समय रहते जितने भी गड्ढे, गली मोहल्लो में रोडों को खोदा गया है उन्हें जल्द भरने का कार्य रात्रि में किया जावे ज्ञापन देने वालों में शौकत अंसारी,नगर महासचिव सिद्धार्थ सुवालका,जिला देहात अल्पसंख्यक महासचिव मोहम्मद शरीफ, यूनुस खान,प्रभुलाल सुमन चांद भाई नियारगिर इकबाल सिंगीवाला,रफीक भाई नियारगीर,अजहर अंसारी, ऐफाज हुसैन,जलाल।मिर्जा, जाफर हुसैन,सलामुद्दीन समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्मार्ट सिटी जयपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बड़ा धमाका: जल्द ही फिक्स टाइमर होगा बंद, सड़कों पर लाइव ट्रैफिक देखकर खुद सिग्नल बदलेगा एआई

रामबाग सर्किल पर 39 दिनों का महा-ट्रायल 100% सफल; बिना इंसानी दखल के 48 लाख से ज्यादा गाड़ियां हुईं क्लियर, हर लेन में बचे 8 से 45 सेकंड

स्मार्ट हलचल| जयपुर

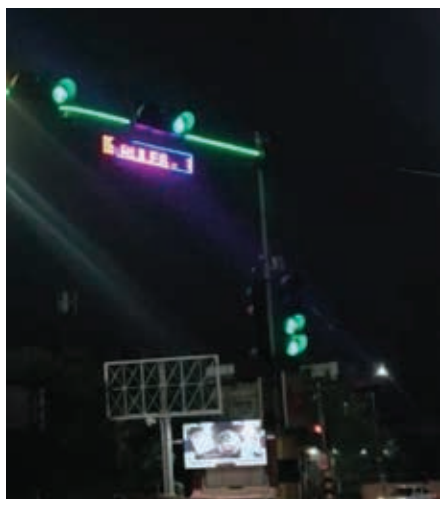

गुलाबी नगरी जयपुर की सड़कों को जाममुक्त और प्रदूषणमुक्त बनाने के लिए महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा की पहल पर राजस्थान पुलिस ट्रैफिक मैनेजमेंट के क्षेत्र में एक अत्याधुनिक तकनीक की शुरुआत करने जा रही है। जल्द ही शहर का ट्रैफिक पारंपरिक फिक्स टाइमर के भरोसे नहीं, बल्कि पूरी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संचालित होगा। जयपुर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 'डेटा कोर इन्फोटेक' के सहयोग से जयपुर के सबसे व्यस्त रामबाग सर्किल पर किया गया 39 दिनों का महा-ट्रायल पूरी तरह सफल रहा है।

ट्रायल की सफलता के बाद अब पुलिस कमिश्नरेट जयपुर शहर के 423 चौराहों में से 253 प्रमुख चौराहों को इस एआई-आधारित स्मार्ट कैमरे और इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से जोड़ने जा रही है। ट्रैफिक डीसीपी श्री योगेश गोयल के नेतृत्व में इस पूरी परियोजना की मॉनिटरिंग की गई और ट्रायल के ऐतिहासिक नतीजों के बाद अब इसे पूरे शहर में विस्तार देने का निर्णय लिया गया है।

क्या है AI-ITMS और यह पारंपरिक सिग्नल से अलग क्यों है

डेटा कोर इन्फोटेक के निदेशक बसंत गोस्वामी और ओजस शुक्ला ने बताया कि अभी तक चौराहों पर लाल और हरी बत्ती के लिए समय (जैसे 60 या 90 सेकंड) तय रहता है, चाहे किसी एक सड़क पर ट्रैफिक खाली हो और दूसरी पर 1 किलोमीटर लंबा जाम हो। लेकिन नया एआई-पावर्ड आईटीएमएस इससे बिल्कुल अलग है। चौराहे पर लगे एआई कैमरे चौबीसों घंटे लाइव वाहनों की संख्या और कतार की लंबाई को स्वतः मापते हैं। जिस सड़क पर वाहनों का दबाव ज्यादा होगा, एआई सिस्टम खुद-ब-खुद वहां का ग्रीन टाइम बढ़ा देगा और खाली सड़क का समय घटा देगा। इस सिस्टम को चलाने के लिए किसी ट्रैफिक पुलिसकर्मी को रिमोट या बटन दबाने की जरूरत नहीं पड़ती, यह 24 घंटे पूरी तरह ऑटोमैटिक काम करता है।

पेंडिंग चालान भी पकड़ेगा सिस्टम

यह एआई सिस्टम केवल ट्रैफिक ही मैनेज नहीं करेगा, बल्कि चौराहों पर अनुशासन भी बनाए रखेगा। ट्रायल के दौरान सामने आया कि एक कैमरा रोजाना करीब 4200 गाड़ियों को रीड करता है, जिसमें से औसतन 450 वाहनों के चालान की सटीक जानकारी सिस्टम स्वतः दर्ज कर लेता है। इसके लागू होने से ओवरस्पीडिंग, रेड लाइट जंप, रॉन्ग साइड ड्राइविंग और लेन उल्लंघन करने वाले वाहन अब बच नहीं पाएंगे। इसके अलावा, यदि किसी वाहन पर पहले से कोई चालान बकाया या लंबित है, तो एआई कैमरा उस गाड़ी के नंबर प्लेट को स्कैन करते ही उसकी पूरी जानकारी तुरंत कंट्रोल रूम को उपलब्ध करा देगा।

हर वाहनधारी के 8-45 सेकण्ड समय की हुई बचत

3 जून 2026 से 11 जुलाई के बीच रामबाग सर्किल पर किए गए पायलट प्रोजेक्ट के दौरान एआई सिस्टम ने बेहतरीन परिणाम दिए हैं। इस दौरान सिस्टम ने बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के 4,88,140 से अधिक वाहनों को सुगमता से पार करवाया। एआई नियंत्रण के कारण वाहन चालकों को प्रत्येक लेन में 8 से 45 सेकंड की सीधी बचत हुई और औसत लेन ग्रीन टाइम 33.63 सेकंड रिकॉर्ड किया गया। चौराहों पर वाहनों के कम समय रुकने और स्मूथ ट्रैफिक फ्लो के कारण 39 दिनों में कुल 2,535 किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड गैस का उत्सर्जन कम हुआ, जो दैनिक स्तर पर 65 किलोग्राम की बचत है।

भविष्य का रोडमैप: एम्बुलेंस को मिलेगी ग्रीन कॉरिडोर प्राथमिकता

डेटा कोर इन्फोटेक के निदेशक बसंत गोस्वामी और ओजस शुक्ला के अनुसार, इस सिस्टम को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसे भविष्य में पूरे स्मार्ट सिटी मिशन से जोड़ा जा सके। वर्तमान में सिंगल जंक्शन पर पूर्ण स्वायत्त एआई कंट्रोल का पहला चरण (रामबाग ट्रायल) सफल रहा है। निकट भविष्य में दूसरे चरण के तहत मल्टी-जंक्शन सिंक्रोनाइजेशन किया जाएगा, यानी एक चौराहे का एआई दूसरे चौराहे के एआई से बात करके पूरे रूट का ट्रैफिक खुद साफ करेगा। इसके बाद अगले चरणों में वीआईपी मूवमेंट, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन गाड़ियों को ऑटोमैटिक प्रायोरिटी ग्रीन सिग्नल देने की व्यवस्था की जाएगी ताकि मरीजों को जाम में न फंसना पड़े।

इस नई तकनीक के लागू होने से जहां एक ओर आमजन के सफर का समय बचेगा और ईंधन की बचत होगी, वहीं दूसरी ओर ट्रैफिक पुलिस का ध्यान चौराहों पर खड़े रहने के बजाय जाम, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों, स्कूलों और बाजारों जैसे संवेदनशील स्थानों पर अधिक केंद्रित हो सकेगा।

जिला अंडर-13 शतरंज प्रतियोगिता सम्पन्न

दिव्यांश और निर्वि बने चैंपियन, 19 जुलाई को होगी अंडर-15 स्पर्धा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। ब्यावर चेस यूनिट (संबद्ध: राजस्थान चेस एसोसिएशन) के तत्वावधान में आयोजित ब्यावर जिला अंडर-13 बालक एवं बालिका शतरंज प्रतियोगिता का सफल समापन आदर्श नगर स्थित शतरंज अकादमी में हुआ। इस प्रतियोगिता में ब्यावर, जैतारण, विजयनगर और बदनौर क्षेत्र के 26 नन्हे शह मात के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन किया।

कड़े और रोमांचक मुकाबलों के बाद दोनों वर्गों के परिणाम इस प्रकार रहे:द्ध बालक वर्ग: दिव्यांश सिंह चौहान ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं राघव द्वितीय और हार्दिक बंसल तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग: निर्वि जैन ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। जियाना ने द्वितीय और विनीशा राठी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

समापन समारोह के दौरान ब्यावर चेस यूनिट की अध्यक्ष रुचिका जैन ने सभी प्रतिभागियों की हौसलाअफजाई की। उन्होंने बच्चों को नियमित अभ्यास और अनुशासन के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इसके बाद विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन सचिव कपिल पंवार ने बताया कि दोनों वर्गों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले इन होनहार खिलाड़ियों का चयन आगामी राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए अनुशंसित किया जाएगा।

अब 19 जुलाई को मचेगा शह-मात का रोमांच

सचिव कपिल पंवार ने आगामी आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि 'अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस' के उपलक्ष्य में आगामी 19 जुलाई (रविवार) को इसी स्थान (शतरंज अकादमी, आदर्श नगर) पर अंडर-15 बालक एवं बालिका जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने जिले के सभी पात्र शतरंज खिलाड़ियों से इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है।

18 घंटे करीब बिजली गुल रहने से भड़के ग्रामीण, स्टेट हाईवे-121 पर लगाया जाम

अधिकारियों की समझाइश के बाद खुला रास्ता-तकनीकी खराबी दूर कर बहाल की गई बिजली आपूर्ति

स्मार्ट हलचल

टोंक। पीपलू कस्बे के बस स्टैंड से रानोली रोड स्थित सब्जी मंडी क्षेत्र में रविवार रात करीब 10 बजे बिजली के खंभे पर स्पार्किंग होने के बाद बिजली आपूर्ति ठप हो गई। प्रारंभिक तौर पर ट्रांसफॉर्मर खराब होने की आशंका जताई गई, लेकिन करीब 18 घंटे तक बिजली बहाल नहीं होने से तीन दर्जन से अधिक उपभोक्ताओं को भीषण गर्मी में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली बंद रहने से पेयजल आपूर्ति सहित दैनिक घरेलू कार्य भी प्रभावित हुए। लगातार बिजली गुल रहने से नाराज ग्रामीणों और महिलाओं का सोमवार दोपहर धैर्य जवाब दे गया। आक्रोशित लोगों ने स्टेट हाईवे-121 पर जाम लगाकर बिजली निगम के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का आरोप था कि रात से शिकायतें करने के बावजूद समस्या के समाधान के लिए कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। सहायक अभियंता के तबादले के बाद कार्यालय में जिम्मेदार अधिकारी उपलब्ध नहीं थे, जबकि कनिष्ठ अभियंता से भी संपर्क नहीं हो पाने से लोगों में नाराजगी और बढ़ गई। जाम की सूचना मिलते ही पीपलू थाना पुलिस, बिजली निगम सोहेला के कनिष्ठ अभियंता चेतन प्रकाश तथा अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से वार्ता कर शीघ्र बिजली व्यवस्था बहाल करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया और यातायात पुनः सुचारू हो गया। मामला मीडिया में आने और ग्रामीणों के विरोध के बाद उपखंड अधिकारी ने भी प्रकरण का संज्ञान लिया।इसके बाद बिजली निगम के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर तकनीकी जांच की। जांच में ट्रांसफॉर्मर सही पाया गया, जबकि तकनीकी खराबी के कारण बिजली आपूर्ति बाधित होना सामने आया। खराबी दूर करने के बाद बिजली आपूर्ति शुरू कर दी गई, हालांकि कई उपभोक्ताओं को कम वोल्टेज की समस्या का सामना करना पड़ा।

कनिष्ठ अभियंता चेतन प्रकाश ने बताया कि बिजली व्यवस्था को पूरी तरह सामान्य करने के लिए आवश्यक तकनीकी कार्य जारी है। आवश्यकता पड़ने पर ट्रांसफॉर्मर बदलने की कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि करीब दो घंटे में क्षेत्र की बिजली व्यवस्था पूरी तरह सुचारू करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, ग्रामीणों ने बिजली व्यवस्था में लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी समाधान की मांग की है।

अखिल भारतीय श्री नारायणी धाम प्रबंध एवं विकास महासभा समिति की टोंक जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

स्मार्ट हलचल| टोंक

अखिल भारतीय श्री नारायणी धाम प्रबंध एवं विकास महासभा समिति के तत्वावधान में भूतेश्वर महादेव मंदिर, टोंक जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह में नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई तथा समाजहित में निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प दिलाया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद करेल के टोंक आगमन पर टोंक जिला अध्यक्ष श्याम लाल सैन ने गुलदस्ता भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके उपरांत राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद करेल ने मां नारायणी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।

शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद करेल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मदन खातीपुरा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम धागरथल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दुर्गालाल खरेडा,राष्ट्रीय उपकोषाध्यक्ष रामावतार कड़ीलां उत्थान समिति टोंक जिला अध्यक्ष रवि सैन (फ़ौजी), टोंक जिला अध्यक्ष श्याम लाल सैन, नागौर जिला अध्यक्ष राधेश्याम सैन सहित अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अतिथियों ने समाज की एकता, शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, सामाजिक उत्थान एवं संगठन को मजबूत बनाने पर बल देते हुए कहा कि समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा।

समारोह में टोंक, निवाई, मालपुरा, देवली, उनियारा, टोडारायसिंह एवं पीपलू सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाजबंधु, मातृशक्ति एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस मौके पर हरिओम सैन, महावीर कुआड़ा, महावीर सैन (देवदेवास), श्याम सैन (दूनी), सत्यनारायण सैन, कालू दाखिया , विष्णु सैन, सहित अनेक समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा समाजहित में निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया गया तथा समाज की एकता, संगठन की मजबूती और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया गया।

पुलिस ने बनावड़ घाटी लूटकांड के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया

स्मार्ट हलचल+

मंडावर (दौसा)। मंडावर थाना पुलिस एवं जिला साइबर सेल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बनावड़ घाटी में हुई हथियारों के बल पर लूट की वारदात का सफल खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक विधि से संघर्षरत किशोर को निरुद्ध किया गया है।

पुलिस के अनुसार 28 जून 2026 की रात को बनावड़ घाटी के पास बाइक सवार बदमाशों ने जयप्रकाश मीणा और उनके भाई का पीछा कर कट्टे की नोक पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। बदमाश दोनों के दो मोबाइल फोन, चांदी की चेन, 3,450 रुपये नकद, मोटरसाइकिल की चाबी तथा अन्य सामान लूटकर फरार हो गए थे। इस संबंध में 29 जून को मंडावर थाने में मामला दर्ज किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मंडावर थाना पुलिस एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। पुलिस ने क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तकनीकी विश्लेषण किया तथा संदिग्ध अपराधियों से पूछताछ की। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने पांच आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक किशोर को निरुद्ध किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। उन्हें न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेने की कार्रवाई की जाएगी, ताकि लूटा गया सामान, वारदात में प्रयुक्त हथियार तथा वाहन बरामद किए जा सकें।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में कुछ के विरुद्ध पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस सफल कार्रवाई में मंडावर थाना पुलिस एवं जिला साइबर सेल की संयुक्त टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सिखवाल ब्राह्मण समाज की बैठक हुई, 29 को मनाई जाएगी महर्षि श्रृंग ऋषि जयंती

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। स्थानीय प्राचीन नवग्रह मंदिर एवं नवीन तिरुपति बालाजी मंदिर प्रांगण में सिखवाल ब्राह्मण समाज की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष जय नारायण त्रिपाठी ने की, जबकि मंच संचालन पूर्व अध्यक्ष मनीष व्यास द्वारा किया गया।

पूर्व अध्यक्ष मनीष व्यास ने बताया कि बैठक में उपस्थित समाज के प्रबुद्ध जनों ने समाज की प्रगति, शैक्षणिक व सामाजिक उत्थान और एकता को लेकर अपने-अपने विचार व महत्वपूर्ण प्रस्ताव सदन के सामने रखे। इस दौरान समाज को संगठित करने और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया।

गुरु पूर्णिमा पर होगा मुख्य आयोजन

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 29 जुलाई 2026 (बुधवार) को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर समाज के आराध्यदेव महर्षि श्रृंग ऋषि की जयंती को भव्य और सामूहिक रूप से मनाया जाएगा। उत्सव के तहत सर्वप्रथम सभी समाज बंधु एकत्रित होकर सामूहिक रूप से श्रृंग ऋषि जी की महाआरती करेंगे और उन्हें भोग अर्पित करेंगे। इसके पश्चात समाज के सभी लोगों के लिए सामूहिक भोज (प्रसादी) का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में समाज के वरिष्ठ जनों, महिलाओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष जय नारायण त्रिपाठी, कैलाश शर्मा, मुकुट उपाध्याय, पूर्व अध्यक्ष छोटू लाल शर्मा, सत्तू तिवाड़ी, गणपत शर्मा, सत्यनारायण उपाध्याय, कमल त्रिपाठी, गोपाल व्यास, रामकरण शर्मा, रामनारायण शर्मा, राजेश त्रिपाठी, हरीश त्रिपाठी, आलोक उपाध्याय, अनिल त्रिपाठी, नितिन उपाध्याय, सुमित तिवाड़ी, मनोज श्रृंगी, आनंद तिवाड़ी और तपेंद्र व्यास उपस्थित थे। वहीं महिला संगठन की ओर से मधुलता उपाध्याय, सुधा नागला, शर्मिला त्रिपाठी, प्रतिभा उपाध्याय और मोना त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु, महिलाएं एवं युवा साथी उपस्थित रहे। बैठक के समापन पर अध्यक्ष महोदय की ओर से सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

निजी विद्यालय संचालकों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

शिक्षा संबल अभियान, आरटीई भुगतान और प्री-प्राइमरी पुनर्भरण को लेकर सरकार के खिलाफ जताया विरोध

स्मार्ट हलचल| निम्बाहेड़ा

निजी विद्यालय संचालक संघ के पदाधिकारियों एवं संचालकों ने राज्य सरकार की विभिन्न नीतियों के विरोध में मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, शिक्षा सचिव तथा माध्यमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा निदेशक के नाम तहसीलदार घनश्याम जरवार को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगें रखीं। इस दौरान पूर्व विधायक अशोक नवलखा एवं स्थानीय सीबीओ अरविंद मुंदड़ा को भी ज्ञापन की प्रतिलिपि सौंपी गई।

ज्ञापन में निजी विद्यालय संचालकों ने आरोप लगाया कि 'शिक्षा संबल' अभियान के तहत निजी विद्यालयों में संयुक्त निदेशक स्तर तक के अधिकारियों द्वारा प्रतिदिन निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं, जिससे विद्यालयों के नियमित प्रशासनिक कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप हो रहा है। संचालकों का कहना है कि यह व्यवस्था संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों एवं राजस्थान गैर सरकारी शैक्षिक संस्थान अधिनियम, 1993 की मूल भावना के विपरीत है।

संचालकों ने यह भी कहा कि पिछले चार वर्षों से आरटीई पुनर्भरण राशि का समयबद्ध भुगतान नहीं किया गया है। इसके अलावा न्यायालय के आदेशों के बावजूद प्री-प्राइमरी कक्षाओं का भुगतान लंबित है, जिससे निजी विद्यालयों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

निजी विद्यालय संचालक संघ ने इन मांगों के समर्थन में 15 जुलाई को राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया है। इसके तहत बुधवार को प्रदेशभर के निजी शिक्षण संस्थान बंद रखे जाएंगे।

ज्ञापन कार्यक्रम में निम्बाहेड़ा शहर, ग्रामीण क्षेत्र, कनेरा सहित आसपास के क्षेत्रों के 60 से अधिक निजी विद्यालय संचालकों ने भाग लिया। सभी ने सरकार से लंबित मांगों का शीघ्र समाधान करने तथा निजी विद्यालयों पर अनावश्यक प्रशासनिक दबाव समाप्त करने की मांग की।

15 को जिले के निजी विद्यालय रहेंगे बंद

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

राजस्थान के निजी विद्यालयों की विभिन्न लंबित मांगों के समाधान को लेकर 15 जुलाई 2026 को प्रदेशभर में एक दिवसीय महा-आंदोलन आयोजित किया जाएगा। आंदोलन के तहत जिले सहित पूरे राजस्थान के निजी विद्यालय एक दिन के लिए पूर्णतः बंद रहेंगे। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन, चित्तौड़गढ़ ने भी इस राज्यव्यापी आंदोलन को अपना समर्थन देते हुए सभी निजी विद्यालयों से सहभागिता की अपील की है।

एसोसिएशन के अनुसार सरकार के समक्ष लंबे समय से कई महत्वपूर्ण मांगें लंबित हैं, जिनका अब तक समाधान नहीं हो सका है। इनमें पिछले चार वर्षों से लंबित प्री-प्राइमरी (पीपी) कक्षाओं का सरकारी भुगतान जारी करना, वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप आरटीई यूनिट कॉस्ट में वृद्धि, न्यायालय के आदेशानुसार आरटीई पुनर्भरण राशि का समयबद्ध भुगतान तथा आरटीई के तहत पुस्तकों की राशि सीधे अभिभावकों के बैंक खातों में हस्तांतरित करना प्रमुख मांगें हैं।

श्री राष्ट्रीय करणी सेना मेवाड़ के गठन को लेकर बैठक आयोजित

समाजहित, सामाजिक एकता और जनसेवा को लेकर हुआ मंथन, संगठन विस्तार पर बनी सहमति

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़-भीलवाड़ा बाईपास स्थित हाथी भाटा आश्रम में रविवार को सामाजिक कार्यकर्ता बबलू सिंह ठुमिया के नेतृत्व में सर्व समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाजहित, सामाजिक एकता और जनसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही श्री राष्ट्रीय करणी सेना मेवाड़ के गठन को लेकर भी विस्तृत मंथन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ हाथी भाटा आश्रम के महंत संतदास महाराज एवं कठिया वाले बाबा बनवारी शरण महाराज के सानिध्य में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। संतों ने सामाजिक समरसता, सेवा, संस्कार और राष्ट्रहित को सर्वोपरि बताते हुए समाज को संगठित होकर कार्य करने का संदेश दिया।

बैठक में चित्तौड़गढ़ प्रधान देवेंद्र कंवर, सरला कंवर, गोविंद कंवर, युवा विप्रराज सिंह रोजड़ा एवं उनकी टीम सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सामाजिक संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं को समाज सेवा से जोड़ने, शिक्षा, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण तथा जनजागरूकता जैसे विषयों पर भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए बबलू सिंह ठुमिया ने कहा कि समाजहित सर्वोपरि है और इसी उद्देश्य से सर्व समाज को साथ लेकर संवाद एवं संगठन को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी वर्गों के सुझावों के आधार पर जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

बैठक में उपस्थित समाजजनों ने भी सामाजिक समरसता, संगठन की मजबूती तथा समाज के हित में सामूहिक रूप से कार्य करने पर जोर दिया। साथ ही नई पीढ़ी को सामाजिक दायित्वों से जोड़ने का संकल्प भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर हमीरगढ़ राव हर्ष प्रदीप सिंह, हुरड़ा प्रधान कृष्ण सिंह, कल्पना कंवर राठौड़ (शाहपुरा), वीरेंद्र सिंह सोलंकी, गजेंद्र सिंह सहित मेवाड़ क्षेत्र के बड़ी संख्या में करणी सैनिक, समाजजन, युवा एवं सर्व समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

श्री हनुमानजी को खुश करने के शुभ उपाय

हनुमानजी की पूजा मंगलवार, त्रयोदशी, चतुर्दशी और खास दिनों होती है। हिन्दू धर्म के सबसे जाग्रत और सर्वशक्तिशाली देवताओं में एकमत्र हनुमानजी की कृपा जिस पर बरसरना शुरू होती है उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। दस दिशाओं और चारों युग में उनका प्रताप है। आओ जानते हैं कि उन्हें किस तरह प्रसन्न किया जा सकता है।

- हनुमान चालीसा : प्रतिदिन हनुमान चालीसा पढें। वह भी एक ही जगह बैठकर।
- तीन कोनों वाला दीपक : प्रतिदिन हनुमानजी के समक्ष तीन कोनों वाला दीपक जलाएं। दीपक में चमेली का तेल हो।
- चौला चढ़ाएं : जब भी इच्छा हो हनुमानजी को चौला चढ़ाएं। इसमें जनेऊ, लंगोट, सिंदूर, तुलसी की माला, ध्वज, चमेली का तेल, लाल फूल आदि सामग्री होती है।
- हनुमानजी का जाप करें : ऊँ श्री हनुमंते नमः का प्रतिदिन 108 बार जाप करें या साबरमंत्र को सिद्ध करें।
- श्रीराम का जाप करें : प्रतिदिन श्रीराम जी के नाम का विधिवत जाप करें।
- सुंदरकाण्ड पढ़ें : माह में एक बार सुंदरकांड और बजरंगबाण का पाठ करें।
- भोग लगाएं : हनुमानजी को मंगलवार, शनिवार या हनुमान जयंती पर पंच मेवा, केसरिया बूंदी लड्डू, इमरती, बेसन के लड्डू, चूरमा, रोठ, मालपुआ या मलाई-मिश्री के लड्डू का भोग लगाएं।
- हनुमान पूजा : प्रत्येक मंगलवार को व्रत रखकर विधिवत रूप से हनुमानजी की पूजा करें। यदि आप घोर संकट से घिरे हैं या आप हनुमानजी की पूर्ण भक्ति करना चाहते हैं तो फिर आपको मांस, मदिरा और सभी तरह का व्यवसन त्याग कर ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए प्रतिदिन विधि-विधान से हनुमानजी की पूजा या उनके मंत्र या नाम का जप करना चाहिए। हनुमानजी के साथ ही भगवान राम, लक्ष्मण और जानकी माता की भी पूजा अच्छे से करें।
- पान का बीड़ा : अपने सुनी होगी एक प्रचलित लोकोक्ति 'बीड़ा उठाना'। इसका अर्थ होता है- कोई महत्वपूर्ण या जोखिमभरा काम करने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर लेना। यदि आपके जीवन में कोई घोर संकट है या ऐसा काम है जिसे करना आपके बस का नहीं है, तो आप अपनी जिम्मेदारी हनुमानजी को सौंप दें। इसके लिए आप मंगलवार के दिन किसी मंदिर में पूजा-पाठ करने के बाद उन्हें पान का बीड़ा अर्पित करें। रसीला बनारसी पान चढ़ाकर मांग लीजिए मनचाहा वरदान।
- गुड़-चने का प्रसाद : हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद तो अक्सर चढ़ाया ही जाता है। यह मंगल का उपाय भी है। इससे मंगल दोष मिटता है। यदि आप कुछ भी चढ़ाने की क्षमता नहीं रखते या किसी और कारण से चढ़ा नहीं पाते हैं तो सिर्फ गुड़ और चना ही चढ़ाकर हनुमानजी को प्रसन्न कर सकते हैं। हर मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी को गुड़ और चने का भोग लगाएं। इससे आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। हालांकि आजकल गुड़ की जगह चिरौंजी ज्यादा मिलती है लेकिन चने के साथ गुड़ का ही संयोग होता है।

वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है

हिन्दू धर्म में ब्रह्मांड और समय को लेकर जो वृहत्तर धारणा है इसी के आधार पर पौराणिक इतिहास को प्रतिष्ठित और अनुष्ठानों को संपन्न किए जाने का क्रम प्रचलित रहा है। आओ पढ़ते हैं एक विशेष लेख को जिसके माध्यम से आप जान पाएंगे कि वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है।

वैदिक ऋषि मण्डल के अनुसार वर्तमान सृष्टि पंच मण्डल क्रम वाली है। यह है- 1. चन्द्र मंडल, 2.पृथ्वी मंडल, 3.सूर्य मंडल, 4.परमेष्ठी मंडल और 5.स्वायम्भू मंडल। ये उत्तरोत्तर यानि एक के बाद दूसरे मण्डल का चक्कर लगा रहे हैं। जैसे चन्द्र पृथ्वी के, पृथ्वी सूर्य के, सूर्य परमेष्ठी के, परमेष्ठी स्वायम्भू की परिक्रमा करते हैं।

- चन्द्र द्वारा पृथ्वी की एक परिक्रमा- एक मास।
- पृथ्वी द्वारा सूर्य की एक परिक्रमा- एक वर्ष।
- सूर्य की परमेष्ठी (आकाश गंगा) की एक परिक्रमा- एक मन्वन्तर।
- परमेष्ठी (आकाश गंगा) की स्वायम्भू (ब्रह्मलोक) की एक परिक्रमा- एक कल्प।
- स्वायम्भू मंडल ही ब्रह्मलोक है। स्वायम्भू का अर्थ स्वयं (भू) प्रकट होने वाला। यही ब्रह्माण्ड का उद्गम स्थल या केंद्र बिंदु माना जाता है।

अभी हम ''ब्रह्मा के 51वें वर्ष के 1 (पहले) दिन के 7वें मन्वन्तर के 28वें महायुग के चौथे युग (कलियुग)'' में मौजूद हैं।

हमारे पूर्वजों ने जहां खगोलीय गति के आधार पर काल का मापन किया, वहीं काल की अनंत यात्रा और वर्तमान समय तक उसे जोड़ना तथा समाज में सर्वसामान्य व्यक्ति को इसका ध्यान रहे इस हेतु एक अद्भुत व्यवस्था भी की थी, जिसकी ओर साधारणतया हमारा ध्यान नहीं जाता है।

हमारे यहां में कोई भी कार्य होता हो चाहे वह भूमिपूजन हो, वास्तुनिर्माण का प्रारंभ हो, गृहप्रवेश हो, जन्म, विवाह या कोई भी अन्य मांगलिक कार्य हो, वह करने के पहले कुछ पूजन संस्कार विधि करते हैं। उसमें सबसे पहले संकल्प कराया जाता है। यह संकल्प मंत्र यानी अनंतकाल से आज तक की समय और स्थान की स्थिति बताने वाला मंत्र है। इस दृष्टि से इस मंत्र के अर्थ पर हम ध्यान देंगे तो बात स्पष्ट हो जाएगी।-

संकल्प मंत्र में कहते हैं.

ऊँ अस्य श्री विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्राहृणां द्वितीये परार्धे।

अर्थात : महाविष्णु द्वारा प्रवर्तित अनंत कालचक्र में वर्तमान ब्रह्मा की आयु का द्वितीय परार्ध।

वर्तमान ब्रह्मा की आयु के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। श्वेत वाराह कल्पे कल्प यानि ब्रह्मा के 51वें वर्ष का पहला दिन है।

श्री वैवस्वतमन्वंतरे- अर्थात ब्रह्मा के दिन में 14 मन्वंतर होते हैं। उसमें सातवां मन्वंतर वैवस्वत मन्वंतर चल रहा है।

अष्टाविंशतितमे कलियुगे- एक मन्वंतर में 71 चतुर्युगी होती हैं, उनमें से 28वीं चतुर्युगी का कलियुग चल रहा है।

कलियुगे कलि प्रथमचरणे- कलियुग का प्रारंभिक समय है।

कलिसंवते या युगाब्दे- कलिसंवत या युगाब्द वर्तमान में 5104 चल रहा है।

जम्बु द्वीपे, ब्रह्मावर्त देशे, भरत खंडे- देश प्रदेश का नाम

अमुक स्थाने- कार्य का स्थान

अमुक संवत्सरे- संवत्सर का नाम

अमुक अयने- उत्तरायन/दक्षिणायन

अमुक ऋतौ- वसंत आदि छह ऋतु हैं

अमुक मासे- चैत्र आदि 12 मास हैं

अमुक पक्षे- पक्ष का नाम (शुक्ल या कृष्ण पक्ष)

अमुक तिथौ- तिथि का नाम

अमुक वासरे- दिन का नाम

अमुक समये- दिन में कौन सा समय

उपरोक्त में अमुक के स्थान पर क्रमशः नाम बोलने पड़ते हैं। जैसे अमुक स्थाने में जिस स्थान पर अनुष्ठान किया जा रहा है उसका नाम बोल जाता है। उदहारण के लिए मालव मण्डले (स्थाने), शरद ऋतौ आदि।

इस तरह अमुक व्यक्ति- अपना नाम, फिर पिता का नाम, गोत्र तथा किस उद्देश्य से कौनसा काम कर रहा है, यह बोलकर संकल्प करता है। इस प्रकार जिस समय संकल्प करता है, सृष्टि आरंभ से उस समय तक का स्मरण सहज व्यवहार में भारतीय पद्धति में इस व्यवस्था के द्वारा आया है।

क्यों हो रहा है विवाह में विलंब

विवाह में विलंब होने के कई कारण होते हैं। उनमें से एक कारण कुंडली के ग्रहों को भी माना जाता है। कहते हैं कि जीवन में विवाह के योग बनते हैं परंतु जब वे किसी कारणवश टल जाते हैं तो फिर दूसरी बार योग **बनने में समय लगता है। आओ जानते हैं कि विवाह के** योग कब कब बनते हैं।

विवाह के योग : ज्योतिष मान्यता के अनुसार विवाह के योग उम्र के 27, 29, 31, 33, 35 व 37वें वर्ष में बनते कर दिया जाता था। लड़की की कुंडली में गुरु और पुरुष की कुंडली में शुक्र बनाता है विवाह के योग।

कैसे होता है विवाह में विलंब

- कई बार व्यक्ति विवाह करने से यूं ही इनकार कर देता है कि अभी नहीं करना विवाह। कई बार **अच्छे रिश्ते के चक्कर में योग भी को टाल दिया** जाता है। ऐसे भी होता है कि करियर के चक्कर में भी वह विवाह नहीं करता है।
- ज्योतिष मानता है कि मांगलिक होना, पितृदोष होना या काल सर्पदोष होना भी विवाह में विलंब का एक कारण है।
- कहते हैं कि जब सूर्य, मंगल या बुध लग्न या लग्न के स्वामी पर दृष्टि डालते हों और गुरु 12वें भाव में बैठा हो तो भी विवाह में देरी होती है।
- प्रथम या चतुर्थ भाव में मंगल हो और सप्तम भाव में शनि हो तो व्यक्ति की विवाह के प्रति उदासीनता के भाव रहते हैं।
- प्रथम भाव, सप्तम भाव में और बारहवें भाव में गुरु या शुभ ग्रह योग कारक न हो और चंद्रमा कमजोर हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- सप्तम भाव में शनि और गुरु की युति तो शादी देर से होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि दोनों में से कोई एक ग्रह हो तो भी विवाह में अड़चन आती है।
- सप्तम भाव में बुध और शुक्र की युति हो तो भी विवाह तय होने में काफी अड़चने आती रहती है, जिसके चलते विवाह में विलंब हो जाता है।
- चंद्र की राशि कर्क से गुरु सप्तम हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- सप्तम में त्रिक भाव का स्वामी हो, कोई शुभ ग्रह योगकारक नहीं हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं या विवाह देर से होता है।
- यदि गुरु कमजोर या नीच का होकर बैठा हो, शत्रु भाव में या शत्रुओं के साथ बैठा हो तब भी विवाह में अड़चने आती हैं।

जल्दी शादी करके के उपाय

- मंगल दोष है तो उसका उज्जैन के मंगलनाथ में उपाय करें। कुंभ विवाह करें।
- पितृदोष या कालसर्पदोष हैं तो उसका नासिक का त्र्यंबकेश्वर में जाकर उपाय करें।
- सप्तम भाव का दोष है तो उपके उपाय करना चाहिए।
- लड़कों को शुक्र के उपाय करना चाहिए और लड़कियों को गुरु के उपाय करना चाहिए।
- शनिवार को पीपल की पूजा करें।
- गुरुवार को केले के युगल जोड़ों की पूजा करें।
- ग्यारह शुक्रवार को माता पार्वती या दुर्गाजी के मंदिर में श्रीफल व चुनरी को अर्पित करें।
- पूर्णिमा के दिन वट वृक्ष की 108 परिक्रमा करें।
- गाय को घी की रोटी में गुड़ लपेटकर खिलाएं और हल्दी के पानी में आलू को उबालकर उसे ठंडा करके गाय को खिलाएं।
- गुरुवार और शुक्रवार को व्रत करें।
- अपने माथे पर केसर, हल्दी या चंदन का तिलक लगाएं।
- शुक्रवार के दिन दही स्नान करें, फिटकरी का कुल्ला करके सोएं।

छोटी-छोटी काली चींटियां किस्मत के बड़े बड़े दरवाजे खोल देती हैं

हर घर में कई बार थोड़ी-बहुत चींटियां दिखाई पड़ती हैं। कुछ लाल तो कुछ काली नजर आती ही है। ये चींटियां खासकर खाने के सामान के इर्द-गिर्द अधिक दिखाई पड़ती हैं। आपको बता दें कि घर में लाल चींटी और काली चींटी अलग-अलग बातों का संकेत देती हैं। आज हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ खास जानकारी, जिसमें आप जानेंगे कि छोटी-छोटी दिखाई देने वाली काली चींटियां कैसे आपकी किस्मत के बड़े-बड़े दरवाजे खोल सकती हैं।

- अगर आपके घर में काली चींटियां आ रही हैं तो सुख और ऐश्वर्य वाला समय आने के संकेत देती हैं।
- काली चींटियों को शकर या आटा खिलाना शुभ होता है। इससे पितृ देव प्रसन्न होते हैं।
- अगर चावल के भरे बर्तन से चींटियां निकल रही हैं तो यह शुभ संकेत है। कुछ ही दिनों में धन वृद्धि हो सकती है। यह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होने का संकेत है।
- वास्तु की मानें तो काली चींटियों में भगवान श्रीहरि विष्णु का वास माना जाता है। अतः घर में काली चींटियां निकलना एक तरह जीवन में खुशहाली तथा सुख-समृद्धि बढ़ने का संकेत माना जाता है।
- पूर्व दिशा से चींटियां आ रही हैं तो सकारात्मक सूचना आपके घर आ सकती है।
- पश्चिम दिशा से चींटियां आ रही हैं तो यात्रा के योग बन सकते हैं।
- काली चींटियां उत्तर दिशा से आती हैं तो धन के लिहाज से शुभ संकेत होते हैं।
- दक्षिण दिशा से आ रही हों तो मंगलकारी सूचना मिल सकती है।
- घर में रखें हुए गोल्ड की चीजों के आसपास यदि काली चींटियां निकलते दिखे तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है, इसका अर्थ आपको नए आभूषण प्राप्त होने का संकेत समझा जाता है।
- काली चींटियां भौतिक सुख वाली चीजों के लिए शुभ मानी जाती है।

दोष नहीं है मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली

भले ही कुछ लोग मांगलिक होने को लेकर बड़ा हव्वा बनाते हों लेकिन शास्त्रों के अनुसार मांगलिक होना कोई चिंता की वजह नहीं है। यदि आपके पुत्र या पुत्री की कुंडली मांगलिक है, तो घबराएं नहीं, शास्त्रों में मंगल दोष दूर करने के उपाय लिखित में उपलब्ध हैं। मांगलिक विचार का निर्णय बारीकी से किया जाना चाहिए क्योंकि शास्त्रों में मांगलिक दोष निवारण के तरीके उपलब्ध हैं। शास्त्र वचनों के जिस श्लोक के आधार पर जहां कोई कुंडली मांगलिक बनती है, वहीं उस श्लोक की परिहार (काट) के कई प्रमाण हैं। ज्योतिष और व्याकरण का सिद्धांत है कि पूर्ववर्ती कारिका से परवर्ती कारिका (बाद वाली) बलवान होती है। दोष के सम्बंध में परवर्ती कारिका ही परिहार है। इसलिए मांगलिक दोष का परिहार मिलता हो तो जरूर विवाह का फैसला किया जाना चाहिए। परिहार नहीं मिलने पर भी यदि मांगलिक कन्या का विवाह गैर मांगलिक वर से करना हो तो शास्त्रों में विवाह से पूर्व घट विवाह का प्रावधान है। मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली से भयभीत होने की जरूरत नहीं है। यह दोष नहीं है बल्कि इसी मंगल के प्रभाव से जातक कर्मठ, प्रभावशाली, धैर्यवान तथा सम्मानीय बनता है।

घट विवाह है प्रभावी उपाय

कन्या की कुंडली में मांगलिक दोष का परिहार नहीं हो रहा हो तो उपाय के रुप में कन्या का प्रथम विवाह/सात फेरे किसी घट (घड़े) या वृक्ष के साथ कराए जाने का विधान है। इस प्रकार के उपाय के पीछे तर्क यह है कि मंगली दोष का मारक प्रभाव उस घट या वृक्ष पर होता है, जिससे कन्या का प्रथम विवाह किया जाता है। वर दूसरा पति होने के कारण उस प्रभाव से सुरक्षित रह पाता है। घट विवाह शुभ विवाह मुहूर्त और शुभ लग्न में पुरोहित द्वारा सम्पन्न कराया जाना चाहिए। कन्या का पिता पूर्वाभिमुख बैठकर अपने दाहिने तरफ कन्या को बिठाएं। कन्या का पिता घट विवाह का संकल्प ले। नवग्रह, गौरी गणेशादि का पूजन, शांतिपाठ इत्यादि करे। घट की षोडषोपचार से पूजा करें। शाखोच्चार, हवन, सात फेरे और विवाह की अन्य रस्म निभाएं। बाद में कन्या घट को उठाकर हृदय से सटाकर भूमि पर छोड़ दे जिससे घट फूट जाए। इसके बाद देवताओं का विसर्जन करें और ब्राहमण को दक्षिणा दें। बाद में चिरंजीवी वर से कन्या का विवाह करें।

कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में मदद करते हैं ये शुभ चिन्ह

इस त्योहार यदि आपको अपने घर में खुशियों का आगमन चाहिए, तो आपको हमारे शास्त्रों में बताए गए कुछ शुभ चिन्हों की जानकारी जरूर होनी चाहिए। ये ऐसे चिन्ह हैं जिन्हें यदि आपने घर के मुख्य द्वार पर लगा लिया, तो आपके घर में खुशियों को आने से कोई नहीं रोक सकेगा।

हमारे शास्त्रों में ऐसे कई चिन्हों का वर्णन किया गया है जिन्हें घर के मुख्य द्वार पर लगाने से सुख-समृद्धि बनी रहती है। यह चिन्ह घर आने वाली कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में हमारी मदद करते हैं। आइए जानते हैं, ऐसे ही कुछ चिन्हों के बारे में, जिन्हें आपको अपने द्वार पर लगाना चाहिए।

स्वस्तिक

मुख्य द्वार पर स्वस्तिक बनाने से हमारे आसपास से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।

शुभ-लाभ

शास्त्रों के अनुसार, गणेशजी प्रथम पूज्य देवता हैं और शुभ व लाभ को उनका पुत्र माना गया है। इसीलिए शुभ-लाभ लिखना धनात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। स्वस्तिक के साथ जब सिन्दूर से शुभ-लाभ लिखा जाता है, तब घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

श्रीगणेशजी

घर के मुख्य द्वार पर गणेशजी का चित्र लगाने से गणेशजी की कृपा बनी रहती है और धनधान्य की कमी नहीं होती।

पंचमुखी हनुमान

यदि आपका मुख्य द्वार दक्षिण मुखी है, तो दरवाजे पर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र लगाकर शुभता बढ़ाई जा सकती है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com